फाल्गुन कृष्ण पक्ष, 22 वर्ष, अंक 27 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 22 फरवरी 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन का नाम लेने से डरते हैं: विदेश मंत्री, बीबीसी की डॉक्युमेंट्री अभी क्यों रिलीज हुई?: एस जयशंकर

भारत चीन से नहीं डरता: एस जयशंकर

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भारत चीन से नहीं डरता है और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन का नाम लेने से डरते हैं। इस दौरान विदेश मंत्री ने बीबीसी डॉक्युमेंट्री के प्रसारण के समय पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह टाइमिंग महज एक संयोग है। बीबीसी की डॉक्युमेंट्री अभी क्यों रिलीज हुई? 1984 में भी बहुत कुछ हुआ था, उस पर डॉक्युमेंट्री क्यों नहीं बनी? दिल्ली या भारत में चुनावी साल शुरू हुआ कि नहीं, यह तो पता नहीं, लेकिन लंदन और न्यूयार्क में जरूर शुरू हो चुका है।

एलएसी पर अब तक की सबसे बड़ी सेना तैनात: विदेश मंत्री ने एएनआई के इंटरव्यू में कहा कि चीन के साथ भारत की लगी सीमा पर सेना राहुल गांधी ने नहीं भेजी है, पीएम मोदी ने भेजी है। इस समय एलएसी पर अब तक की सबसे बड़ी सेना को तैनात किया गया है।

इतनी रिपोर्ट और विचारों की बाढ़ कैसे आ गई?: जार्ज सोरोस के बारे में सवाल पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि एक कहावत है- by other means, इस पर जरा विचार कीजिएगा। यह एक प्रकार की राजनीति है, जो दूसरे तरीके से की जा रही है। आखिर अचानक से इतनी रिपोर्ट और विचारों की बाढ़ कैसे आ गई? यह पहले क्यों नहीं हुआ? जब विदेश मंत्री से पूछा गया कि राहुल गांधी आरोप लगाते रहे हैं कि पीएम मोदी और आप चीन का नाम लेने से डरते हैं, तो उन्होंने कहा- मैं चीन का नाम ले रहा हूं। न पीएम मोदी और न ही मैं चीन का नाम लेने से डरता हूं।

1984 में दिल्ली में जो हुआ, उस पर डॉक्यूमेंट्री क्यों नहीं बनी: जयशंककर

बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर जयशंककर ने कहा कि आजकल विदेशी मीडिया और विदेशी ताकतें पीएम मोदी को टारगेट कर रही हैं।

एक कहावत है- वॉर बाय अदर मीन्स, यानी युद्ध छेड़ने के दूसरे उपाय। ऐसे ही यहां पॉलिटिक्स बाय अदर मीन्स यानी दूसरे उपायों से पॉलिटिक्स की जा रही है।

पीएम मोदी चीन का नाम लेने से डरते हैं- राहुल गांधी: बता दें, राहुल गांधी और कांग्रेस अक्सर भारत-चीन सीमा मुद्दे पर भाजपा और पीएम मोदी को घेरते आ रहे हैं। राहुल गांधी ने कई बार कहा है कि पीएम मोदी चीन का नाम लेने से डरते हैं। वे और जयशंकर बोले- आप सोचिए अचानक क्यों इतनी सारी रिपोर्ट्स आ रही हैं, इतनी बातें की जा रही हैं, ये सब पहले क्यों नहीं हो रहा था।

अगर आपको डॉक्यूमेंट्री बनाने का शौक है तो दिल्ली में 1984 में बहुत कुछ हुआ। हमें उस घटना पर डॉक्यूमेंट्री देखने को क्यों नहीं मिली।

विदेश मंत्री कुछ नहीं करते हैं।

'चीन के मामले में राहुल मुझसे ज्यादा जानते हैं, तो उन्हें सुनने को तैयार हूं: जयशंकर ने कहा कि कांग्रेस आरोप लगाती है कि हम चीन के प्रति उदार हैं, लेकिन ये सच नहीं है। हम बड़े खर्च पर और बड़ी कोशिशों के साथ चीन बॉर्डर पर सेना को तैनात किए हुए हैं। इस सरकार के तहत हमने बॉर्डर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने के लिए अपना खर्च 5 गुना बढ़ा दिया है। अब आप बताइए क्या इसे चीन के प्रति उदार होना या या बचाव की भूमिका में आना कहेंगे?

'पाकिस्तान में जो हो रहा है, उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है'

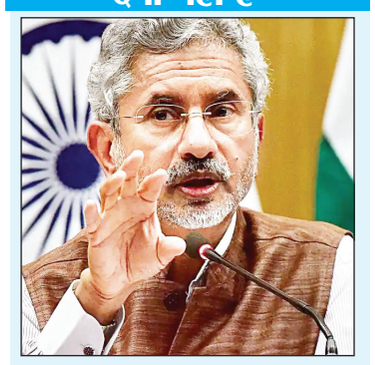

उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत बदतर हो गई है, इसका भारत पर क्या असर पड़ सकता है। उन्होंने जवाब दिया कि पाकिस्तान का भविष्य उसके अपने एक्शन और चॉइस से तय होगा। कोई भी ऐसी हालात में यूं ही नहीं पहुंच जाता है। यह जानना उनका काम है। फिलहाल पाकिस्तान के साथ हमारा संबंध ऐसा है जिसमें उसके साथ जो हो रहा है, उससे हमारा कोई भी लेना-देना नहीं है।

कानपुर देहात: जिम्मेदार अधिकारियों पर सरकार नहीं कर रही कार्रवाई: अखिलेश

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने **बजट सत्र के** दूसरे दिन भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सदन की कार्यवाही के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि कानपुर देहात में मां-बेटी के मौत की घटना सरकार के इशारे पर हुई है। बुलडोजर चलाकर सरकार गरीबों को परेशान कर रही है। सरकार की बुलडोजर नीति गरीबों की जान ले रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस घटना के बाद अभी तक जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई तक नहीं की गई है। बुलडोजर वाली तस्वीर पूरा विश्व देख रहा है। सपा अध्यक्ष ने इन्वेस्टर समिट पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि 40 लाख करोड़ का निवेश सरकार कहां से लाएंगी, उसे यह बात स्पष्ट करना चाहिए। भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर है, बेरोजगारी बढ़ रही है। अखिलेश ने डीजल और पेट्रोल की कीमत के दाम बढ़ाने का सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीबीसी जैसी संस्था और अन्य लोगों पर छापेमारी की कार्रवाई को डराने वाला बताया।

चीन को जवाब देने के लिए भारत-अमेरिका संबंध जरूरी: शूमर

वाशिंगटन: अमेरिका के वरिष्ठ सांसद चक शूमर ने सोमवार को कहा कि भारत-अमेरिका के बीच मजबूत संबंध लोकतंत्र, प्रौद्योगिकी में प्रगति और मजबूत विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि चीन की तानाशाही का जवाब देने के लिए भी यह संबंध बहुत जरूरी है। सांसद शूमर ने कहा भारत दुनिया की अग्रणी शक्ति है। सीनेट में बहुमत के नेता शूमर इन दिनों भारत पहुंचे सांसदों के उच्चाधिकार प्राप्त संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

उप्र: एनआईए की टेरर फंडिंग को लेकर छापेमारी

लखनऊ: राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की है। सूत्रों की मानें तो गैंगस्टर और उनके आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ दर्ज मामलों में यूपी के कई शहरों में सुबह से छापेमारी जारी है। एनआईए ने लखनऊ, प्रतापगढ़, पीलीभीत, बुलंदशहर, नोएडा सहित कई जिलों में छापा मारा है। टीम ने जनपद प्रतापगढ़ के गोडे गांव में छापा मारा, लेकिन जिस नाम के युवक की तलाश में टीम पहुंची थी उसका पता गलत निकला। लोगों का कहना है कि एनआईए ने रात में ही छापा मारा था और टीम के लोग मंगलवार को भी यहां मौजूद हैं। इसी तरह पीलीभीत जिले के घुंघचाई थाना क्षेत्र स्थित पूरनपुर के अभयपुर माधोपुर गांव में एनआईए की टीम ने कबड्डी खिलाड़ी की हत्या के मामले में पंजाब जेल में बंद आरोपित के घर छापेमारी कर जानकारी जुटाई। घर पर चौकीदार के अलावा कोई मौजूद न होने के कारण टीम बैरंग लौट गई। पंजाबी गायक मूसेवाला मर्डर केस में हथियार की सप्लाई करने वाले के रिश्तेदार याहया पहलवान के घर जनपद बुलंदशहर में खुर्जा में चार टीमों ने छापेमारी की है। यहां पर मौजूद कई लोगों से इस मामले में पूछताछ कर रही है। नोएडा में भी एनआईए की टीम ने छापेमारी की है।

उल्लेखनीय है कि गैंगस्टर-टेरर फंडिंग-आर्म्स सप्लायर नेक्सस मामले में एनआईए ने यूपी, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, चंड़ीगढ़, गुजरात और मध्य प्रदेश में छापेमारी की है। देश भर में कुल 72 जगह एक साथ छापेमारी की कार्यवाही जारी है।

'मुंबई हमले के आतंकी पाक में खुलेआम घूम रहे'

जावेद अख्तर का लाहौर में पाक के खिलाफ बयान

लाहौर: जावेद अख्तर ने पाकिस्तान में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मुंबई हमले की साजिश रचने वाले यहां खुलेआम घूम रहे हैं। अख्तर उर्दू शायर फैज अहमद फैज की याद में हो रहे एक कार्यक्रम में शामिल होने लाहौर पहुंचे थे। अख्तर के इस बयान की तारीफ एक्ट्रेस कंगना रनोट ने भी की, जिन पर खुद जावेद अख्तर ने मानहानि का केस कर रखा है।

प्रोग्राम में पूछा गया सवाल- हिंदुस्तान जाकर कहेंगे कि पाकिस्तानी अच्छे लोग हैं?: कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने उनसे पूछा कि आप कई बार पाकिस्तान आ चुके हैं। जब आप वापस जाएंगे तो क्या अपने लोगों से कहेंगे कि पाकिस्तानी अच्छे लोग हैं। इस सवाल के जवाब में अख्तर ने कहा- हमें एक-दूसरे पर इल्जाम नहीं लगाना चाहिए। इससे कोई मसला हल नहीं होगा। हमने देखा है कि मुंबई पर हमला कैसे हुआ। वो आतंकवादी नॉर्वे या इजिप्ट से नहीं आए थे। वो आतंकवादी आपके देश में ही खुलेआम घूम रहे हैं। हिंदुस्तानियों ने इसके खिलाफ शिकायत की है। उन्हें इससे परेशानी है। पाकिस्तानी सिंगर और एक्टर अली जफर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो जावेद अख्तर के साथ नजर आ रहे हैं। इसमें अली, जावेद अख्तर के लिखे हुए सॉन्ग "एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' गा रहे हैं।

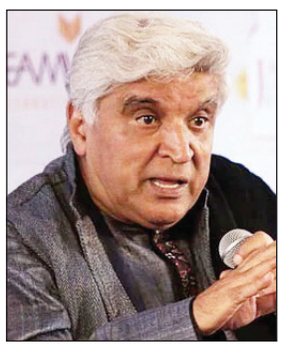

जावेद अख्तर भी अली जफर के साथ गाना गाते नजर आए। इस महफिल में दूसरे पाकिस्तानी कलाकार और सेलेब्रिटीज भी मौजूद थे।

लता का एक भी कार्यक्रम आपके देश में नहीं हुआ

जावेद अख्तर ने लता मंगेशकर की पाकिस्तान में परफॉर्मेंस के मसले पर भी बात की। उन्होंने कहा, "हमने नुसरत फतेह अली खान और मेंहदी हसन के लिए हिंदुस्तान में बड़े-बड़े कार्यक्रम किए हैं। दूसरी ओर आपके देश में कभी भी लता मंगेशकर का कोई प्रोग्राम नहीं किया गया।"

कंगना ने तारीफ की- घर में घुसकर मारा: कंगना रनोट ने जावेद अख्तर के बयान की तारीफ की है। उन्होंने कहा, "जब मैं जावेद साहब की कविता सुनती हूं तो लगता था कि ये कैसे मां सरस्वतीजी की इन पर कृपा है, लेकिन देखो कुछ तो सच्चाई होती है इंसान में, तभी तो खुदाई होती है, उनके साथ में। जय हिंद। घर में घुसकर मारा।"

हमारी संस्कृति ने हमें वसुधैव कुटुम्बकम की सीख दी, हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं

ऑपरेशन दोस्त से जुड़ी पूरी टीम पर देश को गर्व: मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुर्किये और सीरिया में आए भीषण भूकंप के बाद भारत की ओर से चलाए गए ऑपरेशन दोस्त के तहत गए सेना जवानों से मुलाकात की। ऑपरेशन दोस्त की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन दोस्त से जुड़ी पूरी टीम, एनडीआरएफ हो, सेना हो, वायुसेना हो या हमारी दूसरी सेवाओं के साथी हों, सभी ने बेहतरीन काम किया है। देश को आप पर गर्व है। हमारी संस्कृति ने हमें वसुधैव कुटुम्बकम की सीख दी है। हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। जब परिवार का

कोई सदस्य मुसीबत में हो तो उसकी मदद करना भारत का कर्तव्य है। हम सभी ने वो तस्वीरें देखी हैं जहां एक मां माथे पर चूम कर आपको आशीर्वाद दे रही थी। पीएम ने कहा कि तिरंगा लेकर हम जहां भी पहुंचते हैं, वहां एक आश्वासन मिल जाता है कि अब भारत की टीमें आ चुकी हैं, तो हालात ठीक होने शुरू हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने 2001 में गुजरात में आए भूकंप का जिक्र किया: 2001 में गुजरात के भुज में आए भूकंप का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब गुजरात में भूकंप आया था तब मैंने वॉलंटियर के तौर पर काम किया था और मैंने लोगों को बचाने में आने वाली दिक्कतों को देखा है। पूरी दुनिया ने देखा कि आप कैसे तुरंत वहां पहुंचे।

यह आपकी तैयारी और आपके प्रशिक्षण कौशल को दर्शाता है। हमारे डॉग स्क्वॉड के सदस्यों ने भी अद्भुत क्षमता का प्रदर्शन किया है।

कुत्तों ने 4 साल के बच्चे को नोचा, मौत

हैदराबाद: हैदराबाद के बाग अंबेरपेट इलाके में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां आवारा कुत्तों ने सड़क पर जा रहे 4 साल के मासूम बच्चे को नोंच खाया। 6 कुत्तों का झुंड मासूम को तब तक नोचता रहा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। बाद में कुत्ते उसे घसीटकर पास खड़ी कार के नीचे ले गए। रविवार को हुई ये पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। जिस मासूम को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया, उसका नाम प्रदीप था। वह एरुकुला बस्ती में रहने वाले गंगाधर का बेटा था।

सिक्योरिटी गार्ड है गंगाधर, बेटे को साथ ले गया था: गंगाधर 4 साल पहले अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ काम के लिए हैदराबाद आया था। वह अंबेरपेट में कार सर्विस सेंटर में सिक्योरिटी गार्ड बन गया। रविवार को गंगाधर प्रदीप को भी साथ ले आया था। बेटे को अपने केबिन में छोड़कर गंगाधर काम के लिए बाहर चला गया। थोड़ी देर बाद प्रदीप केबिन से बाहर आ गया और पार्किंग में पहुंच गया। जब वह कैम्पस में अकेला घूम रहा था, तब 3 कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया।

वीडियो में दिखी कुत्तों की हैवानियत: मासूम प्रदीप के नीचे गिरने के बाद में 3 छोटे कुत्ते और आ गए। इन कुत्तों ने प्रदीप को काटना शुरू किर दिया। जिससे वह जमीन पर गिर गया।

'पश्चिमी देशों की वजह से हुई जंग की शुरूआत'

मॉस्को: रूस-यूक्रेन जंग के एक साल पूरा होने से ठीक 3 दिन पहले यानी मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस के संसद में भाषण दिया। पुतिन का ये भाषण बाइडेन के यूक्रेन दौरे के एक दिन बाद आया है। इसमें उन्होंने यूक्रेन के साथ हो रहे युद्ध को लेकर कई बड़े बयान दिए।

'शांतिपूर्ण तरीके से हल करना चाहते थे ये मुद्दा': रूस की संसद को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि हम इस समस्या को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे थे। इस कठिन संघर्ष से शांतिपूर्ण तरीके से बातचीत कर रहे थे, लेकिन हमारी पीठ पीछे एक बहुत अलग ही साजिश रची जा रही थी।

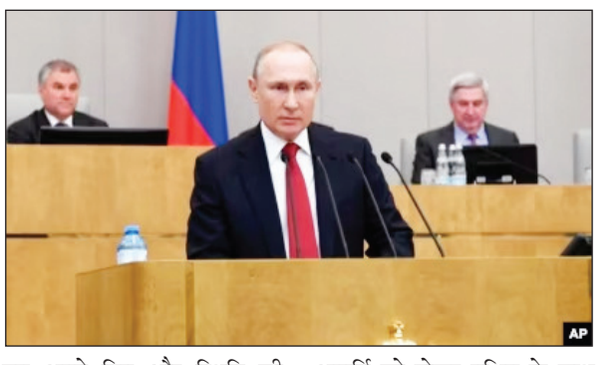

हम अपने हित और स्थिति की रक्षा करते हैं कि सभ्य देशों और बाकी के बीच विभाजन नहीं होना चाहिए।

'यूक्रेन के लोग पश्चिमी देशों के बंधक बन गए हैं': पुतिन ने अपने भाषण में दावा किया कि सैन्य अभियान से कीव ने हथियारों की आपूर्ति को लेकर पश्चिम के साथ बातचीत की थी। पश्चिम ने निंदनीय रूप से अपने ही लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं पहले ही कई बार कह चुका हूं कि यूक्रेन के लोग पश्चिमी देशों के बंधक बन गए हैं और इस देश को राजनीतिक, सैन्य और आर्थिक रूप से कब्जा कर लिया है।'

डोनबास के लोगों की सुरक्षा कर रहा रूस: पुतिन ने अपने संबोधन में कहा कि डोनबास इलाके में शांति स्थापित करने के लिए हमने हरसंभव कोशिश की। वर्ष 2014 के बाद से ही डोनबास काफी संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है।

यूक्रेन में लगातार हो रहे हमलों के बाद भी डोनबास के लोग साल भर तक टिके रहे। उन्हें उम्मीद थी कि रूस उनके बचाव में आएगा। लेकिन हमारी पीठ के पीछे अलग ही साजिश तैयार की जा रही थी। पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देश ही इस युद्ध के गुनहगार हैं और हम सिर्फ इसे रोकने के लिए सेना का इस्तेमाल कर रहे हैं।

योगी सरकार ने 81 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाए नल कनेक्शन

नल कनेक्शन देने में यूपी ने झारखंड-बंगाल को भी पीछे छोड़ा

लखनऊ: योगी आदित्यनाथ सरकार ने नल कनेक्शन देने के मामले में झारखंड और पश्चिम बंगाल को भी पीछे छोड़ दिया है। योगी के नेतृत्व में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए उप्र ने 81 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंचाया है। सर्वाधिक नल कनेक्शन देने की संख्या में उप्र देश में चौथे नंबर पर पहुंच गया है। जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से करीब पांच करोड़ से अधिक लोगों को घर-घर नल से शुद्ध पेयजल का लाभ मिलने लगा है।

ग्रामीण परिवारों तक पहुंचा दिए गए कनेक्शन: योगी सरकार ने तेज रफ्तार पकड़ते हुए जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना

को ग्रामीणों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। आंकड़ों के मुताबिक यूपी में मंगलवार तक 81 लाख 87 हजार 394 ग्रामीण परिवारों तक टेप कनेक्शन पहुंचा दिये गए हैं। योजना से चार करोड़ 91 लाख 24 हजार 364 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना से यूपी के 31.1 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक 'हर घर जल' पहुंचाने का सपना पूरा हो चुका है, जबकि झारखंड में 30.95 और पश्चिम बंगाल में 30.56 ग्रामीण परिवारों तक ही टेप वाटर सप्लाई पहुंची है। यूपी में जहां प्रत्येक दिन 30 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन दिये जा रहे हैं, वहीं झारखंड में यह आंकड़ा प्रतिदिन 2,500 और पश्चिम बंगाल में प्रतिदिन 7 हजार ग्रामीण परिवारों तक ही सीमित है।

बैसाखी पर रेलवे का उपहार, मिलेगा सिख तीर्थ स्थलों की यात्रा का सुनहरा अवसर

नई दिल्ली: इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) बैसाखी के दौरान विशेष भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के साथ गुरु कृपा यात्रा का संचालन करेगी। तीर्थ यात्रा पैकेज की कुल कीमत 19,999 रुपये प्रति व्यक्ति से शुरू होती है। इस विशेष ट्रेन में 678 श्रद्धालु सफर कर सकते हैं। यात्री इस ट्रेन में लखनऊ, सीतापुर, पीलीभीत और बरेली में चढ़ एवं उतर सकते हैं । रेलवे के अनुसार बैसाखी के दौरान गुरु कृपा यात्रा में भारत गौरव

पर्यटक ट्रेन से प्रसिद्ध सिख तीर्थ स्थलों की यात्रा करने का यह सुनहरा अवसर है। इस यात्रा को विभिन्न गुरुद्वारों, सिख गुरुओं और विभिन्न सिख समाजों के साथ विचार-विमर्श के बाद विशेष रूप से तैयार किया गया है। आईआरसीटीसी उच्च मानक के साथ तीन श्रेणियों में टूर पैकेज की पेशकश कर रहा है।

खबर संक्षेप

घर में घुसकर महिला के साथ पड़ोसी युवक ने किया दुष्कर्म शिकायत

घूरपुर। इलाके के एक गांव में रात में घर के पिछवाड़े से घुसे पड़ोसी युवक ने सो रही एक विवाहिता के साथ तमंचा दिखा डरा धमका कर दुष्कर्म किया । मामले की जानकारी पीड़िता ने परिजनों को दी तो हड़कम्प मच गया। घटना एक सप्ताह पूर्व की है मंगलवार के दिन पीड़िता ने घूरपुर थाने पहुंचकर लिखित शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। घूरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला विगत एक सप्ताह पूर्व अपने घर मे रात के समय सो रही थी । आरोप है कि देर रात घर के पीछे से घुसे गांव के एक युवक ने महिला के साथ जोरजबरदस्ती शुरू की तो महिला ने शोर मचाने का प्रयास किया ,तो आरोपी युवक ने तमंचा सटा शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी और दुष्कर्म करके किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया । पीड़िता ने मामले की जानकारी परिजनों को दी तो लोक लाज के डर से किसी ने शिकायत नहीं की। मंगलवार के दिन घूरपुर थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ससुरालीजनों से मार पीट व पत्नी के मायके जाने से क्षुब्ध युवक ने लगाई फांसी

अखंड भारत संदेश

लालापुर। क्षेत्र के मंदुरी गांव में सोमवार की रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लालापुर थाना क्षेत्र के मंदुरी गांव निवासी इंदर भारतीय (33) पुत्र मोहन भारतीय गुजरात मे रहकर नौकरी करता था अभी कुछ दिनों पूर्व ही वह गुजरात से घर आया था। बताया जाता है कि दो तीन दिन पूर्व उसके घर पहुंचे ससुराली जनों से उसका विवाद हुआ था जिसमे उसके ससुराल के लोगों ने उसे मार पीट कर उसकी पत्नी को मायके लेकर चले गए थे। जिसके बाद से इंदर बहुत दुखी रहने लगा था । सोमवार के दिन वह खेतो की रखवाली आवारा पशुओं से करने के लिए गया था । देर रात घर पहुंचा और कमरे में घुसकर पंखे के चुल्ले में रस्सी का फंदा बनाकर फांसी पर लटक गया । भोर में लोगों ने देखा तो हड़कम्प मच गया । इंदर के दो बेटे शिवा (14) शिवम (12) व एक बेटी शिवानी(10) हैं ,पत्नी किरण घटना के समय अपने मायके गोझवार गांव में थी । सूचना पर पहुंची लालापुर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के आने के बाद मुकदमा दर्ज कर दोषी के ऊपर कारवाही होंगी।

जमुनीपुर में मिला अज्ञात महिला का शव

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव के रामलीला मैदान के पास मंगलवार की दोपहर एक अज्ञात महिला का शव पाया गया है। सूचना मिलने पर पहुची पुलिस ने ग्रामवासियों से पूछताछ कि तो पता चला की महिला कई दिनों से यहाँ भटक रही थी और विक्षिप्त थी। मृतिका के घर वालों के संबंध में कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हॉउस भेजा गया। फोटो से आसपास के गांव में महिला की पहचान कराने का पुलिस प्रयास कर रही है।

लहौरा, भंडा गांव की बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा पंजीकृत

जंघई। जनपद की सीमा पर बसे भदोही जनपद के दुगार्गंज थानांतर्गत लहौरा भण्डा गांव की बेटी की नौबाजार, उतरांव थानांतर्गत, प्रयागराज में 4 वर्ष पूर्व शादी हुई थी जिसकी संदेहात्मक मौत 19 फरवरी को हो गई मृतका की दो बेटियां हैं जिनकी उम्र ढाई व एक वर्ष है।मृतका के माता पिता मुंबई रहते हैं बेटी की फांसी से हुई मौत सुनकर बदहवास हालत में रोते बिलखते माता पिता बेटी के ससुराल पहुंचे तो देखा कि बेटी के शव पर चोट के साफ निशान थे।उतरांव पुलिस शव का पंचनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव पिता को सौंप दिया। पिता का आरोप है कि कि 19 फरवरी को बेटी ने मृत्यु के एक घंटे पूर्व अपनी मां से फोन पर बात करते हुए अपनी हत्या की आशंका व्यक्त किया था और पति सास, ससुर, ननद पर दहेज हेतु प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। मृतका के माता पिता ने अपनी बेटी की हत्या का आरोप बेटी के ससुराल पक्ष पर लगाते हुए मुकदमा पंजीकृत करने की तहरीर देकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। उतरांव पुलिस ने मृतका के पिता राजित राम यादव की तहरीर पर पति, सास, ससुर देवर, ननद पर मुकदमा पंजीकृत कर मुलजिमों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी कर दिया है।

मेजा के युवक का बंगलौर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सिरसा। प्रयागराज मेजा के देवहटा गांव के युवक की बंगलौर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वहां के इलाकाई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। शव पोस्टमार्टम के बाद रविवार को उसको उसके गांव मेजा के देहवता पहुँचाया गया। जहाँ परिजनों का रो -रोकर बुरा हाल हो गया हैं। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के देवहटा गांव निवासी धनंजय कुमार गुप्ता पुत्र मिठाई लाल गुप्ता बंगलौर में पानी पूरी की दुकान चलाता था। 17 फरवरी को जहर खाने से उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वहां की इलाकाई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद गांव के लिए रवाना कर दिया। वहीं रविवार को उसका शव गांव पंहुचा। वह चार भाइयों मे दुसरे नंबर का था। उसको दो पुत्र व दो पुत्रियां हैं। धनंजय की शादी करीब 15 साल पहले करछना क्षेत्र के पचदेवरा गांव मे हुई थी। फिलहाल यह जांच का विषय है। धनंजय की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

नैनी में डीएम ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

परीक्षा को नकल विहीन और शुचिता पूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

नैनी। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने मंगलवार को उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संपन्न करायी जा रही हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकल विहीन एव शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जनपद में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने श्री रणजीत पंडित इंटर कॉलेज नैनी, श्री राधारमण महिला इंटर कॉलेज नैनी , केदार नाथ जायसवाल इंटर कॉलेज नैनी पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केदार नाथ जायसवाल इंटर कॉलेज नैनी में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रकाश की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए । परीक्षा केंद्रों पर बने कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरा की क्रियाशीलता एवं कंट्रोल रूम, परीक्षार्थियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई परीक्षार्थी नकल करते या कराते हुए पकड़ा जाएगा तो परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए सम्बन्धित केन्द्र को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम के डबल लॉक को खुलवा कर प्रश्नपत्रों के पैकेटों की सील व टेम्परिग का परीक्षण भी किया। स्टैटिक मैजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक को निर्देश दिए हैं कि स्वयं की उपस्थिति में ही स्ट्रॉन्गरूम के डबल लॉक को खुलवाए।

लाला रामलाल अग्रवाल इं.का. में फर्जी परीक्षा देता युवक गिरफ्तार

सिरसा। मेजा क्षेत्र के लाला रामलाल अग्रवाल इण्टर कालेज सिरसा प्रयागराज का मामला यूपी बोर्ड के इंटरमीडिएट परीक्षा मे मूल परीक्षार्थी के स्थान पर परीक्षा देते एक अभियुक्त को मेजा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामला लाला रामलाल अग्रवाल इण्टर कालेज सिरसा थाना क्षेत्र मेजा का है जहा दिनांक 20.02.2023 को प्रथम पाली में आयोजित की जा रही यू०पी० बोर्ड इण्टरमीडिएट के वाणिज्य विषय की परीक्षा में मूल परीक्षार्थी अजीत कुमार शुक्ला पुत्र राकेश कुमार शुक्ला नि० निबैया थाना मेजा जनपद प्रयागराज के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचे अभियुक्त अनुज तिवारी पुत्र अनिल तिवारी निवासी बारा दशरथपुर परानीपुर थाना मेजा जनपद प्रयागराज उम्र 18 वर्ष को कक्ष निरीक्षक द्वारा मूल अभ्यर्थी के फोटो से चेहरे का मिलान न होने पर पुलिस को सूचित किया गया। सूचना पर पहुंचे जगदीश कुमार चौकी प्रभारी सिरसा द्वारा मौके पर पहुंच कर पूछताछ के उपरांत अभियुक्त अनुज तिवारी को गिरफ्तार किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा दी गयी लिखित तहरीर के आधार पर थाना मेजा में परीक्षा अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही।

हाई स्कूल बोर्ड की गणित परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई

करछना। मंगलवार को सुबह पाली मे हाईस्कूल के गणित का पेपर शातिपूर्ण ढंग से सपन्न हुआ और दूसरी पाली मे इंटर के कम्पियूटर की परीक्षा संपन्न हुई।तहसील क्षेत्र मे कुल 21 परीक्षा केन्द्रो पर शातिपूर्ण ढंग से परीक्षा सपन्न हुई इस दौरान उपजिलाधिकारी गणेश कन्नौजिया भी परीक्षा केन्द्रो का दौरा करते हुए निरीक्षण किया उनके दौरे के दौरान केन्द्रो पर हंडकप मचा रहा है वही गणित की परीक्षा के दौरान क्षेत्र के अमिलो स्थित श्रीकृष्ण इंटर कालेज मे पहुचे एसडीएम ने नकल विहीन परीक्षा कराये जाने पर जोर दिया। वही सूत्रों के मुताबिक वित्तविहीन विद्यालयो मे अंदर से नकल की पूरी व्यवस्था की गई है जहा सुविधा शुक्ल लेकर नकल कराई जा रही है।

एसडीएम के चपरासी ने काम कराने के नाम पर लिया पैसा डीएम से शिकायत

करछना। तहसील करछना मे एसडीएम के चपरासी ने जमीन की नाप कराने के नाम पर एक होमगार्ड ने पैसा लेने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। होमगार्ड अरविन्द तिवारी की ग्राम पंचायत कुलमई में पड़ोसी से जमीन संबंधी बिवाद चल रहा है जिसको लेकर तहसील करछना में वाद दाखिल किया गया है नाप कराने को लेकर तहसील का एक चपरासी जो बीसो साल से एक ही तहसील में कार्यरत हैं जो शिकायत कर्ता से नाप कराने को लेकर पैसा ले रक्खा था इही बात को लेकर मंगलवार शाम को जब वह पैसा मागे तो वह मारपीट पर अमादा हो गया।किसी तरह लोगो ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया होमगार्ड ने जिलाधिकारी पोर्टल पर शिकायत करते हुए कार्यवाही की मांग की है।होमगार्ड का आरोप है कि कई लोगो से एसडीएम से काम राजस्व कार्य नाप जोख एवं मुकदमा आदि कार्य के लिए मोटी रकम की मांग कर महकमें में अधिकारियों को बदनाम किया जा रहा है, और ऐसे लोगों को अधिकारी भी नजर अंदाज कर जाते हैं।

न्यूज झरोखा

अशफाक अहमद को पीसीसी सदस्य बनाए जाने पर कार्यकताओं में हर्ष

सहसों। कांग्रेस कमेटी में नेतृत्व द्वारा संगठनात्मक दृष्टिकोण से फेरबदल करते हुए प्रयागराज से अशफाक अहमद को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का सदस्य बनाया गया जिससे क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं में हर्ष व्याप्त है। क्षेत्र के देवनहरी गांव में मंगलवार को कार्यकताओं ने अशफाक अहमद का हर्ष के साथ माल्यार्पण करके स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर पर स्वागत करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता देवराज उपाध्याय ने अपनी शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि पार्टी का यह निर्णय बहुत सराहनीय है निश्चित रूप से पार्टी को इससे बहुत मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा अशफाक अहमद जमीनी कार्यकर्ता एवं नेता के रूप में लगातार किसानों मजदूरों बेरोजगारों व महिलाओं की समस्याओं को लेकर संघर्षरत रहे हैं और समय-समय पर इनकी समस्याओं को शासन प्रशासन तक अवगत कराते हुए इनकी लड़ाई लड़ते रहे हैं। पार्टी ने एक कर्मठ और इमानदार जमीनी नेता के रूप में अशफाक अहमद को जो उत्तरदायित्व सौंपा है इसका निर्वहन सदैव जनहित में करते रहेंगे। इस मौके पर प्रमुख रूप से प्रोफेसर जगत नारायण सिंह, पूर्व प्रधान नागेंद्र प्रसाद उपाध्याय, विनोद विश्वकर्मा, हाफिज अजहरुद्दीन, भोला तिवारी, मौलाना सदरे आलम, हाफिज आफताब, आलम मोहम्मद यूसुफ, डॉ कृष्ण कुमार द्विवेदी, अशोक यादव, कलीम अल्ताफ, दिलीप द्विवेदी, समीम प्रधान, गिरधारी लाल गौतम, भीम मिश्रा, मोहम्मद साबिर, मोहम्मद सद्दाम,नसीम हाशमी, महबूब आलम राईन, कैफ वारिसी, महेंद्र प्रताप सिंह, सलीम टाइगर, ऐहत्शाम अहमद, सलमान अली, परवेज अहमद,आदि उपस्थित लोगों ने स्वागत करते हुए बधाई दी।

कांग्रेसी कार्यकताओं ने किया अशफाक अहमद का जोरदार स्वागत

फूलपुर। पार्टी के हित में निष्ठापूर्वक कार्य करने पर उच्च नेतृत्व द्वारा कांग्रेसी नेता अशफाक अहमद को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का सदस्य बनाए जाने पर कार्यकताओं में खुशी व्याप्त है। मंगलवार को देवनहरी गांव में वरिष्ठ अधिवक्ता देवराज उपाध्यक्ष के नेतृत्व में जुटे कार्यकताओं ने अशफाक अहमद का माल्यार्पण करके स्वागत किया। वरिष्ठ नेता एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने कहा कि पार्टी का यह निर्णय बहुत सराहनीय है निश्चित रूप से पार्टी को इससे बहुत मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि अशफाक अहमद किसानों, मजदूरों,बेरोजगारों एवं महिलाओं की समस्याओं को लेकर सदैव संघर्ष करते रहते हैं। नतीजतन शीर्ष नेतृत्व ने उनपर अपना भरोसा जताया है। स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रोफेसर जगत नारायण सिंह, विनोद विश्वकर्मा हाफिज अजहरुद्दीन भोला तिवारी,मौलाना सदरे आलम, हाफिज आफताब आलम, मोहम्मद यूसुफ, डॉ कृष्ण कुमार द्विवेदी, अशोक यादव, कलीम अल्ताफ,दिलीप द्विवेदी समीम प्रधान गिरधारी लाल गौतम भीम मिश्रा मोहम्मद साबिर मोहम्मद सद्दाम,नसीम हाशमी, महबूब आलम राईन,कैफ वारिसी, महेंद्र प्रताप सिंह, सलीम टाइगर, ऐहत्शाम अहमद, सलमान अली, परवेज अहमद सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एआईसीसी सदस्य बनने पर मनीष मिश्रा को दी गई बधाई

झूंसी। कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश महा सचिव मनीष मिश्र को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। सोमवार को पार्टी द्वारा जारी सूची में नाम आने पर मनीष मिश्र ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का आभार व्यक्त किया है। मनीष मिश्र ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करूंगा तथा पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने एवं संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहूंगा। एआईसीसी सदस्य बनने की सूचना मिलते ही कांग्रेस नेताओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने मनीष मिश्रा को बधाई दी। बधाई देने वालों में भोला तिवारी, इश्तियाक अहमद,

श्रम विभाग का सामूहिक विवाह कार्यक्रम अब 13 मार्च को

पहले निर्धारित थी एक मार्च की तारीख,इसके पूर्व विगत वर्ष में भी कई बार कार्यक्रम की बदली थी डेट,फिर बाद में कार्यक्रम हो गया था स्थगित, आवेदनों में आ रही दिक्कतों से श्रमिक परेशान,आफ लाइन आवेदन लिए जाने की मांग

कोरांव। पंजीकृत श्रमिकों की बेटियों की एक मार्च को होने वाली सामूहिक विवाह की तिथि अब 13 मार्च की तिथि मुकर्रर हो गई है। उक्त जानकारी डीएलसी प्रयागराज राजेश मिश्रा ने दी। बता दें कि श्रम विभाग प्रयागराज ने परेड ग्राउंड में एक मार्च की विवाह कार्यक्रम पूरे मंडल के श्रमिकों की बेटियों की तैयारी में था। किंतु अचानक तेरह मार्च की तिथि फिक्स हो जाने से वर वधुओं के घर वालों की तैयारी हो गई थी,और लोगों नै कार्यक्रम के लिए साधन भी बुक कर लिए थे। वर लोग जो बाहर कार्य करते थे कुछ तो घर आ गए हैं तो कुछ टिकट करा चुके हैं। अभी श्रमिकों को विवाह करने के लिए इतने कागजातों का बोझ दे दिए जाने से तो त्रस्त थे ही वहीं डेट बदल जाने से और भी धक्का लगा। श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों के न तो श्रम कार्ड साठ प्रतिशत रिनिवल हो पा रहे न ही तो आधार ही सत्यापित हो पा रहे हैं। न ही अपडेट हो पा रहा है। भारी मात्रा में आवेदन ऑनलाइन नहीं हो पा रहा है। ज्यादा तर पुत्रियों के आधार कार्ड का अपडेशन मांग रहा है जो जल्द सुधार संभव नहीं है। श्रमिकों का रोना है कि श्रम विभाग को सीधे आफ लाइन आवेदन ले कर गरीब श्रमिकों की पुत्रियों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम कराना चाहिए। अन्यथा जितना तितिम्मा ऑनलाइन आवेदन में बढ़ गया है इससे भारी संख्या में गरीब मजदूरों की पुत्रियों के उक्त कार्यक्रम में हांथ पीले नहीं हो पाएंगें। श्रम विभाग ने काफी फार्म बी ओ सी डब्लू लखनऊ को अपदेशन के लिए भेज दिया है किंतु वर वधुओं के आधार सत्यापन मांगने के कारण श्रमिकों में चिंता बढ़ गई है। वैसे भी विगत वर्षों में कई कई बार सामूहिक विवाह के आयोजन की तारीखें बदली जाचुकी हैं और अंत में कार्यक्रम ही निरस्त हो चुके हैं। जिससे श्रमिक चिंतित हैं।

कोरांव में भी सामूहिक विवाह 22 को : समाज कल्याण विभाग द्वारा ब्लॉक में होने वाला मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन अब 21 के बजाय 22 फरवरी को निश्चित हो गया है उक्त विभाग के आयोजन में वर वधु के आयु के प्रमाण और आय जाति निवास के साथ आवेदन होना है। किंतु श्रम विभाग के पंजीकृत श्रमिकों की बेटियों की शादी आवेदन में ज्यादा पापड़ बेलने पड़ रहे हैं श्रमिकों के बातों और विचारों पर गौर करें तो उनका कथन है कि सरकार सीधे बोले कि गरीबों की पुत्रियों को सादी अनुदान नहीं मिलेगा। यदि कल्याण गरीबों का करना है तो आफ लाइन आवेदन क्यों नहीं लिए जाते। या फिर सरल प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए।घरों पर भी स्पेन विवाहों के आवेदन सरकार ने ऑनलाइन के द्वारा लिए जाने के बावजूद अनुदान ही नहीं दिया और अब बिल्कुल बंद कर दिया।

अज्ञात बदमाशों ने महिला व उसके बेटे को पीटा, दी तहरीर

सिरसा। मेजा मे जमीनी विवाद में महिला व उसके बेटे को अज्ञात बदमाशों द्वारा पिटाई कर घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। महिला के बेटे ने मेजा कोतवाली मे तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मेजा के नीबी भटान गांव निवासी आनन्द भारतीय ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसकी पाही मेजा के बसहरा गांव के पास पहाड़ी पर है। आनन्द का आरोप है कि रविवार की बीती रात चार-पांच अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर उसकी मां व बड़े भाई को चाकू से मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उक्त बदमाशों ने कहा कि जमीन छोड़ दो और यहां से भाग जाओ। बीच बचाव मे घर के लोग आए तो उक्त लोगों ने मां-बहन की भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए चले गए। सुबह पीड़ित ने मेजा कोतवाली मे तहरीर देकर उक्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जानलेवा हमले के तीन अभियुक्त गिरफ्तार

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी ज्योति गेस्ट हाउस, रेलवे स्टेशन के नजदीक से की गई है। पूछताछ के बाद तीनों का चालान भेज दिया गया है। एसओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सब इंस्पेक्टर ऋतुराज सिंह ने अपनी टीम के साथ बृजेश उर्फ विदेश पुत्र तोते (निवासी वार्ड संख्या दो, रावण टोला), राजा बाबू पुत्र तोते और देशराज पुत्र तोते (निवासीगण उपरोक्त) को ज्योति गेस्ट हाउस, रेलवे स्टेशन के निकट से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के बाद तीनों का चालान भेज दिया गया है। तीनों के खिलाफ बीते वर्ष धारा 147, 148, 149, 324, 352, 506, 34, 307 आईपीसी का केस दर्ज किया गया था।

शंकरगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़े दो शातिर चोर, सरिया बरामद

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने दो शातिर चोरों को भी गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से सरिया बरामद हुई है। एसओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि थाने की टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर जयलाल उर्फ फजीहत पुत्र स्व. मुन्नीलाल (निवासी मवैया, शंकरगढ़) और जीतेंद्र कुमार पुत्र शिवप्रसाद मांझी (निवासी मवैया, शंकरगढ़) को गिरफ्तार किया गया है। दोनों के कब्जे से चोरी की गई सरिया बरामद हुई है। सरिया चोरी का मामला शंकरगढ़ पुलिस ने धारा 379, 411, 427 के तहत दर्ज किया था। यह गिरफ्तारी क्षेत्र के ढेकहा रोड से की गई है। पूछताछ के बाद दोनों का चालान भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह, आरक्षी रामजीत यादव, विपिन कुमार शामिल रहे।

घूरपुर थाना का एक माह के अंदर चौथी बार सुविधा शुल्क वसूलते सिपाही का वीडियो वायरल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर पुलिस द्वारा वाहनों से सुविधा शुल्क वसूलने की बार-बारसोशल मीडिया पर वीडियो क्लीपिंग वायरल होने के बावजूद अवैध वसूली का नहीं रुक रहा है। घूरपुर पुलिस पर पुलिस अधिकारियों का कोई खौफ नहीं रुक रह गया है। एक माह के अंदर इस तरह का इस क्षेत्र का चौथी वीडियो क्लीपिंग सोमवार की सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस कर्मियों में खलबली मच गई। मगंलवार को पुलिस द्वारा सुविधा शुल्क वसूली का सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो घूरपुर थाना क्षेत्र के गौहनिया चौकी का है। रात को खनिज परिवहन करते ट्रक को पुलिस कर्मी रोक कर सुविधा शुल्क लेते देखा जा रहा है। बता दें कि अवैध खनिज और ओवर लोड परिवहन करने वालो से जहा पुलिस मासिक तय सुविधा शुल्क लेती है। वहीं पिकेट, बूथ, चौकी पर तैनात दरोगा सिपाही भी प्रति वाहन सुविधा शुल्क लेते हैं। पुलिस के वसूली से बचने के चक्कर में वाहन चालक बेलगाम तेज गति से वाहन चलाते हैं जिससे आए दिन दुर्घटनाओं में लोगों की जान चली जा रही है शिकायतों और साक्ष्यों के वावजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा कड़ी कार्रवाई नहीं किए जाने से पुलिस द्वारा सुविधा शुल्क वसूली रुकने के वावजूद बढ़ती जा रही है। जिससे जंहा सरकार की छवि धूमिल की जा रही है वहीं पुलिस अधिकारियों पर से विश्वास लोगों का उठता चला जा रहा है।

प्रधान पुत्र के सहयोगियों ने एक पक्ष को मारा पीटा तथा कार तोड दी मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मनरेगा के तहत आयी जांच में प्रधान की कमियों को गिनाने पर प्रधान पुत्र सहित नौ लोगों ने मारा पीटा तथा कार तोड दी। जिस पर नौ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। जबकि प्रधान पुत्र का अभी तक मुकदमा नहीं दर्ज किया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता में प्रधान सहित उनके सहयोगियों और दूसरे पक्ष के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है। बताया गया है कि दोनों के बीच प्रायः लडाई झगड़ा होता चला आ रहा है। दोनों पक्षों द्वारा पूर्व में दर्ज कराया गया मुकदमों की जांच सीबीआई कर चुकी है। एक पक्ष के दिवाकर मिश्रा पुत्र बृजेश नारायण मिश्रा ने यह आरोप लगाया है कि प्रधान के खिलाफ जांच करने अधिकारीगण आए थे। जिसकी शिकायत ग्राम प्रधान फूला देवी पत्नी देवानन्द यादव के खिलाफ की जा रही थी। दिवाकर मिश्रा का आरोप है कि प्रधान पुत्र सहित उनके सहयोगियों ने लाठी डंडों से हमला कर घायल कर दिए तथा कार तोड दिए। और जान से मारने की धमकी भी दी गई। दिवाकर मिश्रा ने मऊआइमा थाने में प्रधान पुत्र धर्मेन्द्र तथा कुमार, धीरज, सूरज, अतुल कुमार, राम कुमार , देवेंद्र यादव ,मनोज यादव , बब्लू, पृथ्वी शंकर मौर्या के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। घायल दिवाकर मिश्रा को सी एच सी द्वारा रेफर कर दिया गया।

पशु आरोग्य शिविर का हुआ आयोजन

सिरसा। विकासखंड उरुवा अंतर्गत सोरांव गांव में खंड स्तरीय पंडित दीनदयाल पशु आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ ग्राम प्रधान राजेश द्विवेदी के द्वारा गो पूजा कर शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में 1560 बड़े व छोटे पशुओं का पंजीकरण कर उपचार एवं निशुल्क दवा का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मनोज यादव ने किया। शिविर में डॉक्टर बैजनाथ प्रजापति ने पशुओं के बारे में पशुपालकों को विस्तार से बताया। डॉक्टर आरपी सिंह पशु चिकित्सा अधिकारी रामनगर ने भेड़ के रोगों तथा पशुओं के बीमा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।डॉ प्रदीप कुमार ने गला घोटू, खुरपका, मुंहपका तथा बुसेल्ला जैसी खतरनाक बीमारियों के बारे में पशुपालकों को बचाव तथा संबंधित बीमारियों के लक्षण के बारे में विस्तार से बताया।शिविर में पशु चिकित्सा अधिकारियों के द्वारा 1560 बड़े छोटे पशुओं की जांच करते हुए दवाएं वितरित की गई। इस अवसर पर पशुधन प्रसार अधिकारी लक्ष्मी शंकर यादव, राकेश कुमार यादव, श्याम बहादुर यादव, सूरज बाबू भारती, ओम प्रकाश मिश्रा, संतोष कुमार, विजय प्रजापति, प्रियांशु, अमित, बलराम यादव, शमशेर यादव, विकास पांडे सहित आदि लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

समूह के सामान को लेकर दो पक्षो में चले लाठी डंडे, आठ घायल

एक दिन पहले पुलिस ने किया था दोनों पक्ष का शान्तिभंग में चालान

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के छिबैया गांव में समूह में आये समान को लेकर मंगलवार को एक बार फिर दोनो पक्ष आमने सामने आ गए इस दौरान लाठी डंडे चलने के साथ पथराव हुआ जिसमें महिला पुरुष सहित सात लोग जख्मी हो गए। सूचना पहुची पुलिस सभी घायलों के मेडिकल के लिए सीएचसी बनी ले गई। दोनों पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि छिबैया की मधु पत्नी विजय बहादुर व कलावती पत्नी चन्द्रप्रकाश समूह में सखी है। सोमवार को समूह में आए कुछ सामान को लेकर दोनों का आपस में विवाद हो गया था मामला इस कदर बढ़ा कि दोनों परिवार आमने सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई मामले में पुलिस ने विजय बहादुर व चंद्र प्रकाश का शांति भंग में चालान किया था। मंगलवार को छूट कर आने के बाद फिर दोनों परिवार भीड़ गए। इस दौरान जमकर लाठी-डंडे व पत्थर चले जिसमे सुभाष चंद्र की ओर से विजय बहादुर व उसकी पत्नी मधु देवी, सुभाष चंद्र, अभिजीत, प्रियंका व दूसरी ओर से चंद्रप्रकाश, अखिलेश, रामनरेश सहित आठ लोगों को गंभीर चोटें आई। मारपीट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

तेज रफ्तार डंफर की चपेट में आने से आठ साल के मासूम की मौत, महिलाओं समेत तीन जख्मी

एक ही बाइक पर बच्चे समेत चार लोग थे सवार, 20 मीटर तक डंफर में फंसी बाइक घिसटी झूंसी के लीलापुर रोड के पास हाईवे पर हुआ हादसा, आक्रोशित लोग पुलिस से भिड़े

अखंड भारत संदेश

झूंसी। थाना क्षेत्र के प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर लीलापुर रोड के पास मंगलवार की देर रात डंफर की चपेट में आने से बाइक सवार आठ साल के मासूम की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुआ आठ साल का मासूम दिव्यांश अपनी मां, बड़ी मां और मामा के साथ बाइक से हनुमानगंज के कोटवा से झूंसी होते हुए झलवा पीपल गांव जा रहे थे। झूंसी के लीलापुर रोड के पास पहुंचने पर डंफर ने बाइक में पीछे से टक्कर मारी थी। टक्कर के बाद डंफर के पिछले हिस्से में फंसी बाइक तकरीबन 20 मीटर दूर तक घिसटती चली गई। हादसे में जख्मी दो महिलाओं और युवक को पुलिस ने एसआरएन में भर्ती कराया है। आक्रोशित लोग पुलिस से भी भिड़ गए थे। हादसे के कारण हाईवे पर काफी देर तक यातायात भी बाधित रहा। शहर के झलवा पीपल गांव निवासी दिलीप की पत्नी संजू देवी अपने आठ साल के बेटे दिव्यांश, भाई बब्लू तथा जेठानी मंजू देवी के साथ मंगलवार की रात तकरीबन सवा ग्यारह बजे बाइक से हनुमानगंज के कोटवा गांव से झलवा वापस लौट रहे थे। कोटवा में रिश्तेदार रामजी के यहां निशान चढ़ने के बाद दावत थी। सभी दावत में शामिल होने गए थे। बाइक बब्लू चला रहा था। एक ही बाइक पर दो महिलाओं व बच्चे समेत चार लोग सवार थे। झूंसी के लीलापुर रोड पर चकहरिहरवन के पास पहुंचने पर पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे डंफर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद डंफर के पिछले हिस्से में फंसी बाइक हाईवे पर तकरीबन 20 मीटर दूर तक घिसटती चली गई। हादसे में आठ साल के दिव्यांश की मौके पर ही मौत हो गई। मासूम के मांस के लोथड़े मौके पर ही जगह-जगह पड़े हुए थे। घटना की सूचना मिलने पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची तो आक्रोशित लोग पुलिसकर्मियों पर भी हमलावर हो गए। हालां?कि पुलिस ने तत्काल हालात पर काबू पाते हुए हादसे में जख्मी दोनों महिलाओं और युवक को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे के कारण हाईवे पर काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। साथ ही यातायात भी बाधित रहा।

महिला अधिकार संगठन की अध्यक्ष ने फांसी लगाकर दी जान

बेटी को थप्पड़ मारने पर पति से हुआ था विवाद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महिला अधिकार संगठन की नगर अध्यक्ष शानू जौहर ने करछना में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। बेटी को पढ़ाई के लिए डांटने पर शौहर से कहासुनी हो गई। माना जा रहा है कि इसी से आहत होकर उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।शहर के बैरहना की रहने वाली शानू जौहर अपने पति और दो बेटियों के साथ शहर के ही कीडगंज इलाके में किराए के मकान में रहती थीं। उनकी बड़ी बेटी चिंकी (15) हाईस्कूल में पढ़ रही है और उसका बोर्ड एक्जाम चल रहा है। छोटी बेटी पीहू (6) यूकेजी में पढ़ती है। मोबाइल पर ज्यादा बातचीत करने के लिए उन्होंने एक दिन पहले अपनी बड़ी बेटी चिंकी को फटकार लगाई थी। इसके बाद बेटे से कहासुनी हो गई। इसको लेकर शानू का अपने पति कविश जौहरी से विवाद दो गया। घटना से आहत होकर शानू ने साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। महिला अधिकार संगठन की अध्यक्ष शानू के इस कदम से हर कोई स्तब्ध दिखा। परिवार के लोगों को भी उम्मीद नहीं थी कि वह इस तरह का कदम उठा सकती हैं। घटना की सूचना पर पुलिस पहुंच गई।

पराधीनता से मुक्ति में मातृभाषाओं की अहम भूमिका : प्रो. संतोष भदौरिया

20 मातृभाषाओं में हुआ रचना - पाठ

प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2023 के अवसर पर राजभाषा अनुभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी विभाग में विशेष वक्तव्य,रचना-पाठ और कबीर गायन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रचना -पाठ के पूर्व डॉ. दीनानाथ मौर्य ने मातृभाषा के विषय पर बात करते हुए कहा कि सभी मातृभाषाओं को समान रूप से संरक्षण और व्यवहार में लाना जाना चाहिए।उन्होंने किसी भी प्रकार के भाषाई वर्चस्व को खतरनाक माना। इससे हमारी भाषाई विविधता को नुकसान पहुँचता है। कार्यक्रम में हिंदी, बांग्ला, संस्कृत, मराठी, अंग्रेजी, मलयालम, तेलुगु, पंजाबी, ओड़िया, उर्दू, भोजपुरी, अवधी, गोंडी, ब्रजभाषा, बुंदेली तथा मार सहित 20 बोलियों और भाषाओं में विभिन्न विभागों से आए रचनाकारों ने अपनी काव्य रचनाएं प्रस्तुत की। जिनमें अभिनव चटर्जी, दानिश आइमी, डॉ. मृत्युंजय राव, पारुल रस्तोगी, डॉ. धीरेंद्र धवल, डॉ. जसविंदर सिंह, डॉ. देवाशीष पति, डॉ. देबोरोह , डॉ. युवराज निबांजी हिराडे, डॉ. लेखराम दन्नाना, डॉ. रेहनामोल पी. आर, डॉ. गाजुला राजू, डॉ. जनार्दन, डॉ. कविता कादंबरी ,डॉ.लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता, श्री राधेश्याम यादव और महताब यादव ने कविताएं सुनाई। सभी रचनाकार इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए थे।

जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

परीक्षा को नकल विहीन और शुचिता पूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने मंगलवार को उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संपन्न करायी जा रही हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकल विहीन एव शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जनपद में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने मेरी वानामेकर इंटर कॉलेज, भारत स्काउट गाइड इंटर कॉलेज, श्री रणजीत पंडित इंटर कॉलेज नैनी, श्री राधारमण महिला इंटर कॉलेज नैनी , केदार नाथ जायसवाल इंटर कॉलेज नैनी पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केदार नाथ जायसवाल इंटर कॉलेज नैनी में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रकाश की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए । परीक्षा केंद्रों पर बने कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरा की क्रियाशीलता एवं कंट्रोल रूम, परीक्षार्थियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई परीक्षार्थी नकल करते या कराते हुए पकड़ा जाएगा तो परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए सम्बन्धित केन्द्र को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम के डबल लॉक को खुलवा कर प्रश्नपत्रों के पैकेटों की सील व टेम्परिग का परीक्षण भी किया। स्टैटिक मैजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक को निर्देश दिए हैं कि स्वयं की उपस्थिति में ही स्ट्रॉन्गरूम के डबल लॉक को खुलवाए।

हाईस्कूल गणित की पेपर में 1.68 लाख से अधिक ने छोड़ दी परीक्षा

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा में नकल माफिया पर नकेल कसने के लिए लंबे समय से कवायद चल रही थी। मंगलवार को हाईस्कूल गणित के प्रश्नपत्र को लेकर एक दिन पहले से ही परीक्षा केंद्रों पर सर्तकता बढ़ाने का निर्देश शासन की तरफ से दिया गया था, ऐसे में परीक्षा के दौरान केंद्रों पर जिलों के आला अधिकारी लगातार निरीक्षण करते रहे। प्रदेश में हाईस्कूल गणित की परीक्षा में डेढ़ लाख से अधिक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। मंगलवार को पहली पाली में हाईस्कूल गणित की परीक्षा को लेकर सॉल्वर गिरोह पर लगातार जांच टीमें नजर बनाए रही। परीक्षा को शुचितापूर्ण तरीके से कराने के लिए बोर्ड के अधिकारी कंट्रोल रूम से लगातार प्रदेश भर के शिक्षाधिकारियों के संपर्क में रहे। सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है। नतीजा यह रहा है कि गणित की परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई।गणित की परीक्षा के लिए प्रदेश में कुल 22,12,692 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे, लेकिन इसमें से परीक्षा केंद्रों तक 1,68,155 परीक्षार्थी नहीं पहुंचे। इंटर व्यवसायिक परीक्षा में 40,003 में 2003 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। बोर्ड के अफसरों की केंद्र व्यवस्थापकों एवं कक्षा निरीक्षकों पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखने की वजह से शिक्षा माफिया भी सेंटर से दूर है। बोर्ड सचिव दिब्य कांत शुक्ल ने बताया कि मंगलवार को परीक्षा शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

यूपी बजट से पहले महिलाओं ने योगी सरकार से की अपील, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना पेश करेंगे बजट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यूपी कि योगी सरकार सदन मे 22 फरवरी को बजट पेश करेगी, बजट को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना सदन पेश करेंगे।इस बार भी योगी सरकार पेपर लेस बजट पेश करने जा रही है। आगामी बजट को लेकेर प्रयागराज की महिलाएं बेहद उत्साहित हैं उनका कहना है की इस बजट में महिलाओं का खास ध्यान रखा जाए। महिलाओं का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरतों को कम किया जाए साथ ही गैस, राशन और पेट्रोल डीजल के दाम में भी कटौती होनी चाहिए , इस समय महंगाई बड़ी है रसोई हर समान मंहगा हुआ है चाहे गैस के दाम हो या राशन हो। महगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। ऐसे में महगाई पर सरकार को काबू करना चाहिए क्योंकि उत्तरप्रदेश के लोगो ने दोबारा योगी सरकार पर भरोसा जताया है और पूर्ण बहुमत के साथ जीत दिलाई है। इस बार लगभग 7 लाख करोड का बजट यूपी सरकार सदन में पेश करेगी। प्रयागराज की रहने वाली अलीजा आरिफ और अतिभा वर्मा का कहना है कि रोजमर्रा के सामान के दाम कम होने चाहिए, खास तौर पर घरेलू गैस जिस के दाम आसमान छू रहे हैं उस पर भी सरकार विचार विमर्श करें। इसके साथ ही साथ बच्चों की पढ़ाई ,कॉस्मेटिक के सामान, राशन के समान और कपड़े भी महंगे होते जा रहे हैं । उधर शुभांगी मिश्रा का कहना है कि हाल ही में यूपी समिट का आयोजन सरकार ने किया है देश के अलग राज्यों से बिजनेसमैन आकर के निवेश करेंगे यह एक अच्छी बात है लेकिन आम जनता को भी ध्यान में रखना होगा की आम जनता को राहत मिले। मध्यमवर्ग और छोटे तबके के लोगों को सरकार के द्वारा लिए गए फैसले से राहत मिले ।उधर अध्यापक सुनील गुप्ता और मोहम्मद साबिर का कहना है कि बजट में बदहाल स्वास्थ्य विभाग को और बेहतर करने की योजना होनी चाहिए। साथ ही खेल के साथ सरकार शिक्षा की तरफ भी ध्यान दें। शिक्षा के क्षेत्र में हर बच्चे को शिक्षा मिले इसके लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश देने चाहिए । उधर खेल के क्षेत्र में हर तरह के खेल को बढ़ावा देना चाहिए सरकार को आउटडोर खेल के साथ-साथ इंडोर खेल को बढ़ावा देना चाहिए।गौरतलब है कि दोबारा आई योगी सरकार काया आम बजट लोगों को कितनी राहत देगा यह तो 22 फरवरी को पता चलेगा लेकिन प्रयागराज के अलग-अलग वर्गों के लोग खासकर की महिलाओं को योगी सरकार से काफी उम्मीदें हैं ।सदन में सुबह 11:00 बजे वित्त मंत्री सुरेश खन्ना बजट पेश करेंगे हालांकि बजट सत्र के पहले ही दिन विपक्षी नेताओं द्वारा काफी हंगामा देखने को मिला था अब देखना होगा कि आगामी बजट आम जनता की जिंदगी में क्या बदलाव लाएगा।

प्रयागराज की महिलाओं ने महंगाई कम करने की लगाई गुहार, कहा घरेलू और रोजमर्रा की जरूरतों के समान हो सस्ते, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं पर सरकार दे विशेष ध्यान

नैनी जेल में फिल्म भागवत की शूटिंग, अभिनेता अरशद वारसी व जितेंद्र कुमार पहुंचे नैनी जेल

नैनी। सोनभद्र की सच्ची घटना पर आधारित फिल्म भागवत की शूटिंग मंगलवार को सेंट्रल जेल नैनी में हुई। फिल्म के डायरेक्टर अक्षय ओबरॉय, फिल्म में लीड रोल में अभिनेता अरशद वारसी व वेब सीरीज पंचायत मे काम कर चुके अभिनेता जितेंद्र कुमार समेत कुल 45 लोगों की टीम ने सेंट्रल जेल पहुंची शूटिंग के दौरान सेंट्रल जेल नैनी की सर्किल नंबर एक की स्पेशल सेल में फिल्म में प्रो. जितेंद्र का किरदार निभाने वाले अभिनेता जितेंद्र का नाम समीर रखा गया है उन्हे नैनी जेल में बंद रखा गया। जिसके बाद फिल्म में इंस्पेक्टर भागवत बने अरशद वारसी वहां पहुंचते हैं और प्रो. से कुछ पूछताछ करते हैं। जेल में शूटिंग की सूचना पर जेल में कार्यरत कर्मचारी सर्किल एक मे जाने का प्रयास किए, लेकिन वहां किसी को जाने की अनुमति नही मिली। जेल शूटिंग की सूचना पर आसपास के सैकड़ो लोग जेल के बाहर मौजूद रहे, लेकिन किसी की अभिनेता से मुलाकात नही हो सकी। वहीं जेल में रोज की तहर ही मुलाकात भी चलती रही।

न्यूज झरोखा

ईश्वर सत्य व ईमानदारी से काम करने वालों की रक्षा करते हैं : हरिप्रपन्नाचार्य महाराज

जंघई। गोपालापुर गरियांव में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिन कलश यात्रा निकाली गई एवं कथा व्यास स्वामी हरिप्रपन्नाचार्य महाराज शक्ति पीठाधीश्वर चक्रसुदर्शन, धनूपुर प्रयागराज द्वारा भागवत महात्म्य पर विस्तृत प्रकाश डाला। महाराज ने कथा के द्वितीय दिवस भागवत कथा में ध्रुव-प्रहलाद की भक्ति तथा राजा परीक्षित-कपिल-सती चरित्र का वर्णन किया। संगीतमय भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। महाराज ने कहा कि मनुष्य को अपनी कथनी व करनी में फर्क नहीं रखना चाहिए ईश्वर सत्य व ईमानदारी से काम करने वालों की रक्षा करते हैं। उन्होंने ध्रुव, प्रहलाद की भक्ति तथा राजा परीक्षित, कपिल, देवाहुति एवं सती चरित्र की कथा का वर्णन किया। मुख्य यजमान इंद्रावती देवी उदयराज मिश्र, सावित्री अभयराज मिश्र, शकुंतला खेमराज मिश्र, सीता देवी श्याम राज मिश्र, सुशीला देवी अवध राज मिश्र, शमला देवी प्रेमराज मिश्र, सविता धर्मराज मिश्र एवं कार्यक्रम संचालकों में अनुज महाराज, गंगाधर पांडेय, कल्लू पंडित, कुल गुरू अखिलेश त्रिपाठी, कुल पुरोहित जगदंबा प्रसाद शुक्ल, आदि लोग मौजूद रहे।

बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

हनुमानगंज। वाराणसी प्रयागराज मार्ग पर मंगलवार की दोपहर बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। हदशा सरायइनायत थाना क्षेत्र के सरपतीपुर में हुआ। सूचना मिलने पर पहुची पुलिस ने स्थानीय लोगो के मदद से घायलों को सीएचसी बनी ले गई। बस को भी पकड़ लिया गया है। बदलापुर निवासी विनोद यादव 25 व जंघई असवा के रहने वाले राजेश यादव 26 बाइक से झूंसी की ओर से हनुमानगंज की ओर जा रहे थे। सरपतीपुर सरस्वती गेट के पास पहुचे थे तभी वाराणसी की ओर से आती सिविल लाइंस डिपो की बस ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार विनोद व राजेश छिटक कर सड़क पर जा गिरे। पुलिस घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले गई और टक्कर मार कर भाग रही बस को पकड़ कर थाने लाई।

राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन में पहुंचे सांसद राजमणि पटेल, सांसद नाबा कुमार सरणिया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि, विश्वविद्यालय प्रशासन की कथित तानाशाही रवैये के खिलाफ चल रहा आंदोलन अब दो धड़ों में बंट गया है। एक गुट एनएसयूआई के साथ आ गया है और दूसरा गुट अजय यादव सम्राट के साथ खड़ा है। मंगलवार को कैंपस में दोनों गुटों ने अलग अलग विरोध प्रदर्शन किया।छात्र नेता अजय यादव सम्राट के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों ने डीएसडब्ल्यू का घेराव किया, जिसमें छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों का स्कॉलरशिप फॉर्म अभी तक फॉरवर्ड नहीं किया गया है।

सबसे ज्यादा दिक्कत एलएलबी 5 ईयर्स के छात्रों की : इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रों ने ऊ्रह का घेराव कर स्कॉलरशिप फॉरवर्ड करने की मांग की। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता अजय यादव सम्राट ने कहा कि विश्वविद्यालय में अघोषित आपातकाल चल रहा है विश्वविद्यालय में लगातार छात्रों पर फर्जी मुकदमें, ऋक्क्रफ हो रहा है। विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी की व्यवस्था नहीं, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं और साथ ही साथ विश्वविद्यालय प्रशासन का यह कारनामा रहा कि छात्रों शिक्षा से वंचित करने के लिए उनके स्कॉलरशिप को रोका जा रहा है। लगभग स्कॉलरशिप की डेट खत्म हो गई है, लेकिन विश्वविद्यालय अपनी नाकामियों की वजह से विश्वविद्यालय से स्कॉलरशिप का फॉर्म फॉरवर्ड नहीं किया।इसके बाद भी जो यहां पर आयोग है और सबसे ज्यादा दिक्कत यहां एलएलबी 5 ईयर्स के छात्रों की और जो मीडिया मॉस कम्युनिकेशन से हैं। जो छात्र बीटेक के हैं उनका 50 हजार फीस है, जिसमें 90% छात्र गरीब तपके के साथ हैं जो कि सेकंड ईयर की स्कॉलरशिप के दम पर ही पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन को स्कॉलरशिप को फॉरवर्ड करके छात्रों के हित में फैसला लेना चाहिए। आगे कहा कि अभी लगभग 1 घंटे हो गए, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से कोई हम लोगों से वार्ता करने नहीं आया।

बहुत जल्द पोर्टल खुल जाएगा और स्कॉलरशिप फॉरवर्ड हो जाएगा : प्रो. शिव मोहन प्रसाद ने कहा कि बच्चों की डिमांड यह थी कि जो यह फीस जमा करते हैं इसका रीइंबर्समेंट यूपी सरकार से होता है छात्रों का रिजल्ट लेट आने की वजह से स्कॉलरशिप फॉरवर्ड नहीं हो पाई। 30 दिसंबर तक पोर्टल खुला था। अब पोर्टल बंद हो गया है। अब फिर से पोर्टल खुलवाने की पूरी कोशिश हम लोगों की है वाइस चांसलर मैडम ने भी चिट्ठी लिखी है। मुख्यमंत्री जी को और उसके बाद जो है हमारे रजिस्ट्रार साहब हैं उन्होंने भी लिखी है। हमारे यहां डीएसडब्ल्यू ऑफिस से भी चिट्ठी गई है तो उम्मीद है कि बहुत जल्दी पोर्टल खुल जाएगा और बच्चों का जो है फॉरवर्डिंग हो जाएगी उनको फेलोशिप प्रदान हो जाएगी ऐसी हम आशा हम लोग करते हैं।

जिंदगी जीना है तो पत्थर की तरह जीना: उधर, इलाहाबाद विश्व विद्यालय में एनएसयूआई के तरफ से छात्र संघ भवन पर राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजसभा सांसद राजमणि पटेल और लोक सभा सांसद नाबा कुमार सरणिया रहे। दोनों नेताओं ने छात्रसंघ भवन पर स्थित शहीद लालपद्म धर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उसके बाद छात्रों ने दोनों नेताओं को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में चल रहे हैं अनियमितताओं के बारे में बताया।

विश्वविद्यालय में जो भी घटनाएं घटित हुई हैं वो दुर्भाग्यपूर्ण हैं : वहीं राजसभा सांसद राजमणि पटेल छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं इस धरती को सबसे पहले नमन करता हूं। इस विश्वविद्यालय ने हर क्षेत्र में चाहे वह साहित्य क्षेत्र रहा हो या कला का क्षेत्र का हो और वह चाहे देश पर मर मिटने वाले नौजवान को तैयार करने वाला विश्वविद्यालय हो इसी विश्व विद्यालय से शहीद लाल पद्मधर ने शिक्षा ग्रहण किया था। आज विश्वविद्यालय में जो भी घटनाएं घटित हुई हैं वो दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

Thakur Lal Pratap Singh Degree College
Katwarupur, Hanumanganj
Prayagraj

Required
Teacher and Principal

B.A. Program :
1. Ancient Indian History
2. Education
3. English Literature
4. Home Science
5. Hindi Literature
6. Political Science
7. Sanskrit

B.Sc. Program :
Botany, Chemistry, Zoology, Physics Mathmatics

Office Staff & Peon

Manager
Email: thakurlalpratapsinghvidhimahav@gmail.com
Mob.: 6394392561

आवश्यकता है

श्याम सुन्दर शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय मवई कला, कुण्डा, प्रतापगढ़ (उ.प्र.) में स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत कला संकाय (बी.ए.) में भारतीय प्राचीन इतिहास, शिक्षा शास्त्र, अंग्रेजी, गृहविज्ञान, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र (प्रत्येक विषय हेतु 1 पद) एवं शिक्षा संकाय (बी.एड.) में बी.एड. प्रवक्ता -हिन्दी, गणित, विज्ञान (प्रत्येक विषय हेतु 1 पद) और सामाजिक विज्ञान विषय के (2 पद हेतु) आवेदन पत्र विज्ञापन तिथि से 15 दिन के अन्दर आमंत्रित किए जाते हैं। सभी पदों हेतु योग्यता यूजीसी /एन.सी.टी.ई./उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित योग्यता के अनुरूप होगी।

मैनेजर
श्याम सुन्दर शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय
मवई कला, कुण्डा, प्रतापगढ़
मो: 9450184497, 7905488086

प्रतापगढ़ संदेश

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त एक अवैध तमंचा बरामद

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में थाना कुण्डा से उ0नि0 विनय कुमार सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय में पंजीकृत मु0अ0सं0 50/2023 धारा 307 भादवि से संबंधित अभियुक्त अनिल विश्वकर्मा उर्फ नरेन्द्र पुत्र मुनेश्वर प्रसाद नि0 खनवारी थाना संग्रामगढ़ प्रतापगढ़ को घटना में प्रयुक्त एक अवैध तमंचा 315 बोर व खोखा कारतूस के साथ थाना क्षेत्र के कवरियागंज नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। उधर थाना कुण्डा से उ0नि0 भूपेशनाथ सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखविर की सूचना पर थाना स्थानीय में पंजीकृत मु0अ0सं0 53/2023 धारा 332, 353, 504, 506 भादवि से संबंधित अभियुक्त अनुपम पाण्डेय पुत्र शिवाकान्त पाण्डेय नि0 रामगढ़बनोही थाना बाघराय प्रतापगढ़ को मिथिला देवी इण्टरमीडएट कालेज मीरपुर बनोही के पास से गिरफ्तार किया गया।

हाईस्कूल गणित की परीक्षा में पकडे.गये तीन मुन्नाभाई

अलग-अलग परीक्षा केन्द्रों पर सचल दल द्वारा की गई कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा को नकलविहीन कराने का प्रयास कारगर होता दिखाई पड़ रहा है। इसी बीच आज मंगलवार को प्रथम बेला में हाईस्कूल गणित की परीक्षा में तीन परीक्षा केन्द्रों पर एक-एक परीक्षार्थी दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते हुए दबोच लिये गये। यह कार्यवाही परीक्षा केन्द्रों पर आंतरिक सचल दल द्वारा की गई है।

बता दें कि आज प्रथम बेला में हाईस्कूल गणित की परीक्षा थी। परीक्षा शुरू होते ही जेजेके इंटर कालेज मानधाता परीक्षा केन्द्र पर कमलाषरण इंटर कालेज के कक्षा-10 के छात्र शुभम कुमार के स्थान पर मोहम्मद हसीब पुत्र नसीम मदारी मऊ आईमा, प्रयागराज परीक्षा देने आए थे, जिन्हें आंतरिक सचल दल ने पकड़ लिया। इसी प्रकार इंटर कालेज मानधाता परीक्षा केन्द्र पर कक्षा-10 गणित में इमरान खान, तौफीक खान बीएस गिरी इंटर कालेज सराय भूपति कटरा गुलाब सिंह के स्थान पर शाह आलम पुत्र अब्दुल परीक्षा देते पकडे.गये। पंडित रामसुख त्रिपाठी स्मारक इंटर कालेज ज्ञानीपुर पहाड़पुर में कक्षा-10 की गणित परीक्षा में अर्पित शर्मा राजाराम इंटर कालेज डभियार के स्थान पर अजीत शर्मा परीक्षा देते हुए पकडे.गये।

हाईस्कूल गणित में 4958 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

गणित की परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी।

इन तीनों परीक्षा केन्द्रों पर एक दूसरे पर परीक्षा देते पकडे. जाने पर षिक्षा विभाग सतर्क हो गया। बता दें कि षिक्षा विभाग के अधिकारी भी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे हैं तथा हर परीक्षा केन्द्र का डिजीटल परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षा केन्द्रों पर सख्ती के कारण परीक्षार्थी अनुपस्थित भी ज्यादा हो रहे हैं। हाईस्कूल गणित में 45860 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 4958 परीक्षार्थी अनुपस्थित हो गये। केवल 40902 परीक्षार्थियों ने गणित की परीक्षा दी। द्वितीय बेला में इंटर की व्यवसायिक की परीक्षा थी जिसमें पंजीकृत 731 परीक्षार्थी में 55 अनुपस्थित पाए गए। 676 परीक्षार्थियों ने इंटर व्यवसायिक की परीक्षा दी।

एसडीएम के तबादले के फरमान से महीनों से वकीलों व प्रशासन के बीच गतिरोध पर लगा विराम

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। एसडीएम के तबादले का फरमान जारी होने पर मंगलवार से तहसील में अधिवक्ताओं व प्रशासन के बीच पिछले दो तीन महीने से बने गतिरोध पर आखिरकार विराम लग ही गया। स्थानांतरित एसडीएम सौम्य मिश्र पिछले वर्ष तीस जून को लालगंज एसडीएम का कार्यभार संभाला था। कार्यभार ग्रहण करने के लगभग तीन-चार माह बाद ही वकीलो से पंगा के चलते वह सुर्खियों मे आ गये। वकीलों का एसडीएम के साथ दो तीन चरणो मे हुआ पंगा तहसील मे लम्बे आंदोलन का भी कारण बना। यहां तक कि अधिवक्ताओं ने एडीएम की अध्यक्षता मे पिछले समाधान दिवस का बहिष्कार कर एसडीएम के तबादले की मांग उठाई थी। जूनियर बार प्रतापगढ़ के अध्यक्ष इंदुभाल मिश्र व महामंत्री संतोष नारायण तिवारी के साथ लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व रूरल बार के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने भी डीएम डा. नितिन बंसल से मिलकर कई बार एसडीएम को वापस बुलाए जाने की गुहार भी की। डीएम के निर्देश पर पहले चरण मे सीआरओ तथा दूसरे चरण मे एडीएम ने वकीलों से वार्ता कर समाधान का प्रयास भी किया। एडीएम के आश्वासन पर वकीलों ने जूनियर बार के अध्यक्ष इंदुभाल मिश्र के भरोसे पिछले माह अपना आंदोलन स्थगित भी कर दिया।

चार नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ बलवा समेत गंभीर धाराओं मे केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। नीम का पेड़ काटने के विवाद मे हुई मारपीट मे लालगंज पुलिस ने चार नामजद व तीन अज्ञात आरोपियो के खिलाफ रविवार की देर रात बलवा तथा मारपीट व गालीगलौज तथा जानलेवा धमकी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के लाला का पुरवा निवासी द्वारिका प्रसाद पुत्र शिवलाल पटेल ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती पन्द्रह फरवरी को दिन में विपक्षी गांव के शिवम पुत्र मिटठूलाल तथा सुमित पुत्र शिवबहादुर तथा शिव बहादुर की पत्नी हलमाईन तथा मिटठूलाल की पत्नी दढ़ियाईन एवं तीन अज्ञात आरोपी नीम के पेड़ काटने के विवाद मे मारपीट करने लगे। आरोपियो ने घटना मे उसकी पत्नी व बच्चों को मारपीट कर घायल कर दिया। मना करने पर आरोपी गालीगलौज करने लगे। लोगों को जुटता देख आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने शिवम समेत चार नामजद तथा तीन अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है।

डीएम व एसपी ने सांसद के साथ किया महोत्सव दर्पण का विमोचन

बाबा घुइसरनाथ धाम की महत्ता का दर्पण में हुआ बखान

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। बाबा धाम मे देवाधिदेव महादेव श्री घुश्मेश्वर के आध्यात्मिक गौरव तथा बाबा से जुडी जनश्रुति एवं धाम के माहात्म्य व पर्यटन विकास से जुडी अटठाईसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव दर्पण-2023 का जिलाधिकारी डा. नितिन बंसल एवं पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल तथा राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी व एसडीएम सौम्य मिश्र, सीओ रामसूरत सोनकर व अन्य अतिथियों ने समारोहपूर्वक विमोचन किया।

कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता व रामपुरखास की विधायक आराधना मिश्रा मोना के संपादन मे अटठाईसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव पर आधारित स्मारिका महोत्सव दर्पण के जरिये लोगो को बाबा धाम की महत्ता, पौराणिकता एवं पर्यटन नगरी के अदभुत विकास की वृहद जानकारियां दी गई है। महोत्सव दर्पण मे बाबा घुइसरनाथ के स्वस्फुटित लिंग के सुफल मंगलफल और सई पार स्थित करील के वृक्ष तथा उपलिंग बूढ़ेश्वरनाथ के साथ प्रथम महोत्सव की शुरूआत से लेकर विगत सत्ताईस वर्षो से हो रहे महोत्सव की सांस्कृतिक उपलब्धियो पर भी प्रकाश डाला गया है। वहीं महोत्सव दर्पण मे बाबा धाम मे दो दो पैदल यात्री सेतु, एकता सरोवर, सांस्कृतिक रंगमंच, सीसी परिक्रमा मार्ग, सोलर पावर प्लांट, परिक्रमा छाजन, पेयजल टंकी, चिकित्सालय व विद्युत उपकेंद्र के साथ जुडी विकास गाथा का भी सचित्र प्रस्तुतीकरण लोगो को पसंद आया। विमोचन समारोह का संचालन महोत्सव दर्पण के कार्यकारी संपादक ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया।

महोत्सव दर्पण का विमोचन करते डीएम, एसपी, प्रमोद तिवारी व मोना

इस मौके पर विशालमूर्ति मिश्र, राममिलन तिवारी, भगवती प्रसाद तिवारी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्लू, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, हरपाल यादव, रामकृपाल पासी, सुधाकर पाण्डेय, आशीष उपाध्याय, रामबोध शुक्ल आदि रहे।

प्रमोद तिवारी व आराधना मिश्रा मोना ने जताया आभार

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम मे अटठाईसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव की सफलता को लेकर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा क्षेत्रीय विधायक एवं महोत्सव की संयोजिका आराधना मिश्रा मोना ने रामपुरखास की जनता तथा कार्यकर्ताओ व आयोजन समिति के सदस्यों के साथ प्रशासनिक सहयोग के लिए जिला प्रशासन का भी आभार जताया है। इधर तीन दिवसीय एकता महोत्सव की सफलता को लेकर आयोजन समिति के पदाधिकारियों के चेहरे पर मंगलवार को प्रसन्नता देखी गयी। महोत्सव मे सांस्कृतिक संध्या मे बाबा धाम मे उमडी भीड़ की चर्चा धाम परिसर से लेकर आसपास की बाजारों व यहां तहसील परिसर मे भी लोगों की जुबान पर चढ़ी दिखी।

घर के बाहर सो रही वृद्ध महिला की हत्या, घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जिले के महेशगंज थाना क्षेत्र के माघी चैन गढ़ गांव में घर के बाहर सो रही वृद्धा का चारपाई पर खून से रक्त रंजिश शव मिलने से हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुची महेशगंज पुलिस ने शव की लिखा पढ़ी करके पोस्टमार्टम के लिए भेजा घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

मालूम हो कि महेशगंज थाना क्षेत्र के माघी चैनगढ़ निवासी शकुन्तला सिंह पत्नी ज्ञान बहादुर सिंह (65) वर्षीय सोमवार की रात परिजनों के साथ खाना खा पीकर घर के बाहर चारपाई पर सोने चली गयी। मंगलवार की सुबह चारपाई पर खून से लथ पथ शकुन्तला का शव चारपाई पर मिलने से हड़कम्प मच गया। सुबह जब घर के परिजन सोकर उठे तो शव देख चीख पुकार मच गई घटना की जानकारी मिलते ही महेशगंज पुलिस मौके पर पहुची और घटना की जानकारी एडिशनल एसपी रोहित मिश्रा व सीओ को दी मौके पर पहुँची पुलिस ने घटना के बारे में परिजनों से पूछताछ किया शव की लिखा पढ़ी करके पीएम के लिए भेजा घटना को लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है मृतक के दोनों लड़के बाहर रहते है एक बेटा शाम तक घर पहुचने की बात कही जा रही है। मृतिका के लड़के की तरफ से पुलिस को तहरीर मिलने का इंतजार है। मृतिका के गले मे धारदार चोट के निशान मिले है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है जिससे हत्या का खुलासा जल्द हो सके। पुलिस हर बिंदुओं पर जांच करने में जुटी हुई है हत्या का कारण पता नही चल सका।

वृद्ध महिला की हत्या के बाद जांच पड़ताल करती पुलिस।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर रेलवे कर्मचारियों ने दिया धरना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाली को लेकर मंगलवार को नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन ने एसएस दफ्तर के सामने धरना प्रदर्शन किया। शाखा मंत्री अनिल शुक्ला ने कहा कि नई पेंशन स्कीम कर्मचारियों को नहीं चाहिए। उन्हें पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाए। अध्यक्ष मोहम्मद शफीक ने कहा कि देश में कर्मचारी संगठन नई पेंशन स्कीम के विरोध में लामबंद है। जगह जगह प्रदर्शन हो रहा है। इस मौके पर राज्य कर्मचारी संगठन भी धरने में शामिल हुए। जिसमें अध्यक्ष राजेश मोहन और मंत्री रमाशंकर तिवारी ने भी नई पेंशन योजना का विरोध किया। धरने में मनीष पांडे, विनय मिश्रा, वीके तिवारी समेत कई कर्मचारी नेता मौजूद थे। धरने के साथ एसएस को ज्ञापन दिया गया। जिसमें राष्ट्रपति से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की गई है।

दुष्कर्म के अभियोग का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में थाना कोंहडौर से उ0नि0 संदीप कुमार सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखविर की सूचना पर थाना स्थानीय में पंजीकृत मु0अ0सं0 156/2022 धारा 376, 354, 352, 504, 506 भादवि से संबंधित एक अभियुक्त अंशु उर्फ डॉक्टर पुत्र रमेश सरोज निवासी ग्राम शंकरपुर थाना कोहडौर प्रतापगढ़को मुकूनपुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर सत्र न्यायाधीश आलोक द्विवेदी ने हत्या के आरोप में दोषी पाते हुए सूर्य मणि मौर्य पुत्र सीताराम व धंनजय पुत्र सूर्य मणि निवासी चैपई,थाना कधंई को आजीवन कारावास व बीस-बीस हजार रुपए अर्थदंड से दण्डित किया है। उक्त मामले में राज्य की ओर से पैरवी एडीजीसी राकेश प्रताप सिंह ने किया है। वादी मुकदमा एसएचओ कंधई विपिन कुमार के अनुसार 30 जून 2020 को प्रातः उसे सूचना मिली कि ऊषा मौर्या पुत्री सूर्य मणि मौर्य को चोट लगी है, जिस पर उसे डाक्टरी मुआयना कराने की बात कही गई। उसे बेलखर नाथ धाम सीएचसी लाया, जहां उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया तब मेरे द्वारा गांव में जानकारी की गई तो पता चला कि ऊषा मौर्या के पिता व भाई धंनजय ऊषा के चरित्र पर संदेह करते थे इसी कारण उसे 30 जून 2020 को अपने दरवाजे पर लाठी डंडे व बेल्ट से बुरी तरह मारा पीटा। सूर्य मणि द्वारा ऊषा को पटक पटक कर मुंह दबा दिया गया और धंनजय द्वारा बेल्ट से मारे जाने लगा,इसी दौरान उसकी मौत हो गई और इलाज का दिखावा कर मोटरसाइकिल से अस्पताल ले गए जबकि ऊषा की मौत सूर्य मणि व धंनजय के मारने पीटने व नाक, मुंह दबा देने से हुई।

बालिका वर्ग की दो सौ मीटर दौड़ में वर्षा सिंह रही अव्वल

दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नेहरू युवा केंद्र प्रतापगढ़ युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उप निदेशक समर बहादुर सिंह के निदेर्शानुसार एकलव्य स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है।

वरिष्ठ समाजसेवी रोशन लाल उमर वैश्य के द्वारा कार्यक्रम कार्यक्रम में उपस्थिति रहे, जिसमें इसके पहले 09 ब्लॉक में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन जैसे कबड्डी, वालीवाल, दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जो प्रतिभागी विजेता रहे उनके द्वारा आज जिला स्तर पर प्रतिभाग किया गया दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम दिवस 200 मीटर में बालिका वर्ग प्रथम वर्षा सिंह द्वितीय स्नेहा पाल, तृतीय आंचल शुक्ला 800 मीटर में बालिका वर्ग वर्षा सिंह प्रथम, स्नेहा पाल द्वितीय अंचल शुक्ला तृतीय वर्षा सिंह, 400 मीटर बालक वर्ग प्रथम मोहम्मद मेहताब दूसरा स्थान लवकुश,तृतीय इरफान पठान तृतीय 1600 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में प्रथम राज कुमार सरोज, आशीष पटेल तृतीय पवन पांडेय रहे, जिसकी प्रतियोगिता फाइनल हो गई है। वालीवॉल, कबड्डी का फाइनल 22 फरवरी को किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन लेखा एवं कार्यक्रम सहायक विनय कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला परियोजना अधिकारी शिवम यादव, विश्वाजीत प्रताप सिंह, राज्य प्रशिक्षक चंद्रमणि मिश्रा, श्याम नारायन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक रंजीत यादव, आशु गुप्ता, गरिमा सिंह, प्रियंका सिंह, कविता गौतम, नमन कुमार तिवारी, सर्वेश सिंह और अन्य युवा मंडल और महिला मंडल के लोगों ने बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते अतिथिगण।

प्रतापगढ़ के गोडे.गांव में एनआईए ने की छापेमारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लॉरेंस बिश्नोई गैंग को हथियार आपूर्ति करने के मामले में एनआईए ने जिले के गोडे. गांव में छापेमारी की, जिससे पूरे जिले में हड़कंप मच गया। बता दें कि एनआईए को शक है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग को हथियार की आपूर्ति करने वाले लोगों का ठिकाना जिले में हो गया है। बता दें कि प्रतापगढ़ में हथियार तस्करों की खोज में एनआईए टीम के पहुंचने से लोग तरह-तरह की चचाएं करते रहे। कहा जाता है कि छापेमारी में कुछ खास कामयाबी नहीं मिली है। इस मामले में न तो पुलिस मुंह खोल रही है और न ही एनआईए के किसी अधिकारी ने कुछ बताया, लेकिन इतना सच है कि एनआईए को जानकारी मिली थी कि प्रतापगढ़ सहित उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों से लॉरेंस बिष्नाई गैंग को हथियारों की आपूर्ति की गई थी जिसकी जांच में वह प्रतापगढ़ आई थी।

सदर तहसील में गांवों को शामिल करने के विरोध में अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील के 124 गांव को सदर तहसील में शामिल करने की चर्चा को लेकर अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। पट्टी बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधा रमण मिश्र व वर्तमान अध्यक्ष सुरेश सिंह ने अधिवक्ताओं की बैठकर कर इस मामले में आर-पार की लड़ाई के लिए मंगलवार को संपूर्ण तालाबंदी करके इस मामले में आर-पार की लड़ाई की रणनीति बनाई।

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधारमण मिश्रा ने अपनी विज्ञप्ति में कहा कि पहले भी पट्टी तहसील के लगभग 300 गांव नई तहसील रानीगंज में शामिल किए गए। जनता के हित को ध्यान में रखते हुए उस दौरान अधिवक्ताओं ने उसका विरोध नहीं किया। लेकिन वर्तमान समय में तहसील के 124 गांव अगर सदर तहसील में शामिल हो जाएंगे तो पट्टी तहसील का वजूद ही समाप्त हो जाएगा, जिसको अधिवक्ता बर्दाश्त नहीं करेंगे। ऐसी दशा में आज मंगलवार को सामूहिक तालाबंदी कर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहें। उधर वर्तमान अध्यक्ष सुरेश सिंह ने भी कहां की प्रशासन और सरकार पट्टी तहसील के अधिवक्ताओं के साथ अन्याय कर रहा है इस तरह की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आंदोलन छेड़ा जाएगा। पूरे मामले को लेकर उप जिलाधिकारी पट्टी देश दीपक सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सदर विधायक राजेंद्र मौर्य के पत्र पर जिलाधिकारी ने कोहडौर सर्किल के गांव को सदर तहसील में शामिल करने की रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट जिला मुख्यालय को प्रेषित कर दी गई है। जो भी निर्णय होगा वह जिलाधिकारी के माध्यम से ही निश्चित होगा। फिलहाल इस प्रकरण को लेकर अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है

तालाबंदी कर न्यायिक कार्य से रहे विरत

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के बडे.भाई का हुआ निधन, शोक की लहर

प्रतापगढ़। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा0 लालजी त्रिपाठी के बडे. भाई पं0 षिवमूर्ति त्रिपाठी अवकाष प्राप्त बीडीओ का आज निधन हो गया। उनके निधन पर कांग्रेसजनों तथा उनके शुभचिंतकों में शोक की लहर है। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष डा0 वीके सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें डा0 लालजी त्रिपाठी के बडे. भाई के निधन पर गहरा शोक जताया गया। उनकी उम्र लगभग 92 वर्ष थी लेकिन वह काफी स्वस्थ थे। इधर कुछ दिनों से वह बीमार हुए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया था लेकिन वहां से वह ठीक होकर घर लौट आए थे। अचानक उनकी सांसें आज सुबह थम गई जिससे घर में कोहराम मच गया।

खबर संक्षेप

शराब के साथ तीन अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अवैध शराब के निर्माण एव तस्करी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में विभिन्न थानो द्वारा कुल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कब्जे से कुल 32 लीटर अवैध शराब बरामद की गयी गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के विरुद्ध सम्बन्धित थानों पर अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों का चालान न्यायालय कर दिया है जानकारी के मुताबिक थाना महेवाघाट पुलिस बल द्वारा अभियुक्त राम सजीवन पुत्र दुर्गेश निवासी महेबा थाना महेवाघाट को गिरफ्तार कर कब्जे 12 लीटर अवैध शराब बरामद होने पर अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है। इसी प्रकार थाना सैनी पुलिस बल द्वारा अभियुक्त धूरे पुत्र स्व0 दूता निवासी पथरावां थाना सैनी को गिरफ्तार कर कब्जे से 10 लीटर अवैध शराब व राकेश सरोज पुत्र स्व0 चिकन लाल निवासी सौरई खुर्द थाना सैनी को गिरफ्तार कर कब्जे से 10 लीटर अवैध शराब बरामद होने पर अभियुक्तो का चालान न्यायालय कर दिया है।

रेस्टोरेंट कर्मी की सड़क हादसे में मौत

सूचना पाकर रोते विलखते हुए घटना स्थल पर पहुचे परिजन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मंझनपुर थाना क्षेत्र के जायका रेस्टोरेंट में काम करने वाले एक युवक की देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मृतक सैनी कोतवाली क्षेत्र का निवासी बताया जाता है घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर रोते बिलखते परिजन पहुंचे हैं।

जानकारी के मुताबिक सैनी कोतवाली क्षेत्र के रामपुर धामावा निवासी सुरेंद्र नाथ तिवारी पुत्र शिव प्रसाद तिवारी मंझनपुर के जायका रेस्टोरेंट में काम करता था सोमवार की रात लगभग 1:00 बजे रेस्टोरेंट से वह अपने घर जा रहा था जैसे ही सुरेंद्र मलाक सद्दी नहर पुलिया के पास पहुंचा तो लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक अज्ञात तेज वाहन ने उसे जोर दार टक्कर मार दिया हादसे में रेस्टोरेंट में काम करने वाला सुरेंद्र सड़क पर गिर पड़ा और तड़पने लगा देखते-देखते कुछ देर में उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई आस पास रहे लोगों ने सूचना परिजनों को दी सूचना पाकर परिजन रोते विलखते हुए घटना स्थल पर पहुचे और सूचना पुलिस को दी सूचना पाकर मंझनपुर पुलिस मौके पर पहुँच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जाच पडताल में जुट गयी है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

टेढ़ीमोड। कौशांबी दिल्ली से अपने बच्चों के साथ महिला शहजाद पुर गांव शादी समारोह में शामिल होने आई थी सोमवार की शाम को रेल लाइन पार करते समय ट्रेन हादसे में उसकी मौत हो गई है। शादी समारोह में सम्मिलित होने 2 दिन पहले महिला दिल्ली से सिराथू तहसील के शहजाद पुर गांव आई थी सोमवार की शाम को सिराथू रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर एक डाउन लाइन क्रास करते समय महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। साथ में रही बेटियों का रो रो कर हाल बेहाल है वहीं स्टेशन पर मौजूद लोग बेटियों से परिवार का एड्रेस संपर्क सूत्र मालूम करने का प्रयास कर रहे हैं मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुटी है।

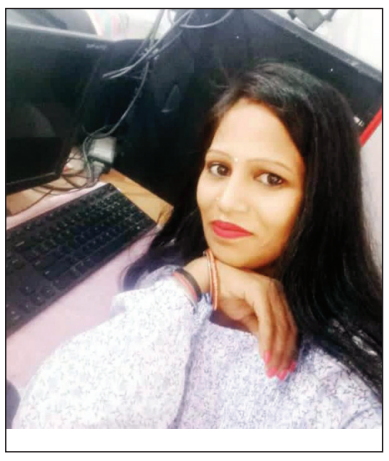

मृतक महिला की फाइल फोटो

उपनिरीक्षक के प्रताड़ना से परेशान व्यक्ति ने अदालत में लगाई गुहार

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना के एक उप निरीक्षक और सिपाही के आतंक से पीड़ित पुनवार गांव के हनुमत सिंह और उनकी पत्नी ने अदालत में गुहार लगाकर उपनिरीक्षक सिपाही और अपने विरोधियों के आतंक से मुक्ति दिलाने की मांग की है बताया जाता है कि हनुमत सिंह का भाइयों से संपत्ति बंटवारे का तनाव चल रहा है और इसी के चलते थाने के उपनिरीक्षक और सिपाही आए दिन हनुमत सिंह और उनके परिजनों को प्रताड़ित किया करते हैं लगभग ढाई महीने पहले हनुमत सिंह के घर में ताला तोड़कर उप निरीक्षक सिपाही घुस गए थे और पूरे परिवार को बेरहमी से पीटा था घर का सामान भी तोड़फोड़ कर नगदी और रुपए उठा ले गए थे मामले की सूचना पुलिस को दी गई थी इस मामले की शिकायत अधिकारियों से करने के बाद उपनिरीक्षक और सिपाही हनुमत सिंह से और खुन्नस खाने लगे हैं और आए दिन उसे गाली गलौज प्रताड़ित कर रहे हैं फर्जी तरीके से हनुमत सिंह और उनके परिवार के बिरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की थाने में साजिश रची जा रही है जिससे हनुमत सिंह परेशान हैं पीड़ित हनुमत सिंह ने अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए उप निरीक्षक सिपाही और विरोधियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है हनुमत सिंह के प्रार्थना पत्र पर अदालत का निर्णय आ गया तो उपनिरीक्षक और सिपाही की मुसीबत बढ़ना तय हैं।

ढाबे का दृश्य

बिजली विभाग की लापरवाही से हाई बोल्टेज करंट की केबिल में शार्ट सर्किट से ढाबे में लगी आग

कौशाम्बी। जिले के कोखराज थाना क्षेत्र के एक ढाबे में हाई बोल्टेज तार में शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई,आग लगने से ढाबे में बैठे लोगो में अफरा तफरी मच गई,थोड़ी ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया,जिसकी चपेट में आने से ढाबे का एक हिस्सा पूरी तरह से जल गया,आग से ढाबे में रखी कुर्सियां और मेंज जलकर खाक हो गए,गनीमत रही कि कोई बड़ी घटना नहीं हुई। घटना कोखराज थाना क्षेत्र की है जहा हाइवे पर एक ढाबे के पास से गुजरी हाई बोल्टेज करंट की केबिल में अचानक शार्ट सर्किट होने लगा और थोड़ी ही देर में आग लग गई,आग ने ढाबे के एक हिस्से को पूरी तरह से चपेट में ले लिया,आग से ढाबे में हजारों का नुकसान हुआ है जबकि ढाबे में बैठे सभी लोगो ने भागकर अपनी जान बचाई,आग लगने की सूचना पर कोखराज थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया लेकिन तब तक ढाबे का एक हिस्सा पूरी तरह से जल गया। ढाबा मालिक मोहम्मद शारिक ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है,कई बार बताया गया कि खुली केबिल को बंद कर दिया जाए लेकिन विभाग के लोग लापरवाही करते है और यह हादसा हो गया। शारिक ने बताया की सड़क के दूसरे तरफ हाइवे पर भी विभाग की केबिल खुली पड़ी हुई है,कई बार बोला गया लेकिन आज तक खुली केबिल को ढका नही गया,जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

बंगाल के दुगार्पुर से दिल्ली के लिए निकला दंपति पदयात्रा कर पहुंचा कौशाम्बी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जल जमीन और स्वच्छ पर्यावरण मानवता के लिए जरूरी है और समस्त प्रथ्वी पर सभी जीवो के लिए जीवन का आधार है लेकिन नव सभ्यता में अधुनिकीकरण के इस दौर में नए प्रयोगी के नवाचारों से पर्यावरण को क्षति पहुंची है। ऐसे में मानवता को बचाने के लिए समाज के लोगों को आगे आना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक मुहिम चलाकर इन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए जिससे जल जमीन और वन हम अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रख सकें। पश्चिम बंगाल दुगार्पुर जिले से निकले दंपत्ति शुभो चक्रवर्ती और पत्नी रोमा चक्रवर्ती आज कौशांबी जिले में पहुंचा इस दौरान इन्होंने अपने उद्देश्य को बताते हुए कहा कि वह अपने इस उद्देश का एक मांग पत्र देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पहुंचाना चाहते हैं। इस मौके पर चक्रवर्ती दंपत्ति ने बताया कि उनकी यात्रा का उद्देश्य जल गंगा जमीन और जंगल पर्यावरण और अपनी आजीविका संस्कृत की अस्तित्व बचाने के लिए वह दोनों पद यात्रा पर हैं। उन्होंने बताया कि वाराणसी और प्रयागराज में गंगा नदी कुछ हद तक ठीक है। लेकिन इसके बाद गंगा नदी का प्रदूषण बढ़

पदयात्रा करते दंपत्ति

जल जमीन और स्वच्छ पर्यावरण जीवन का आधार, राष्ट्रीय सड़क मार्गों किनारों से काटे गए वृक्षों, पुनः न लगाने पर खड़े किया सवाल

जाता है और पश्चिम बंगाल पहुंचते-पहुंचते यह काफी प्रदूषित हो जाती है इसके साथ उन्होंने वृक्षों की लगातार कटाई पर चिंता जताते हुए कहा कि यह सब ठीक नहीं है इससे मानवता सहित सारे जीव को खतरा है। उन्हें बताया कि वह झारखंड बिहार होते हुए उत्तर प्रदेश में पहुंचे हैं जहां उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से विश्राम किया है उन्हें अभी तक हर जगह आतिथ्य मिला है। कहीं पर उन्हें होटल या सराय में नहीं ठहरना पड़ा जो दिखाता है कि इस ओर अभी हमारे देश के लोगों में काफी जागरूकता है। इस दौरान उन्होंने सड़कों के बनने के साथ ही इनके किनारे पर बने हुए पेड़ों के काटे जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इतनी दूर सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर चुके हैं। सड़क के किनारे जहां पहले भारी संख्या में छायादार होते थे। वहां अब यह वृक्ष गायब दिख रहे हैं जो चिंता का विषय है। उन्होंने इस ओर स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और सरकारों का ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने कहा कि यह सभी विषयों को लेकर अपना मांग प्रदेश के महामहिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सौंपेंगे।

गुरुकुल वैदिक महाविद्यालय के प्रवक्ता व प्राचार्य बर्खास्त

कौशाम्बी। फर्जी अभिलेखों के सहारे नौकरी हथियाने के आरोप में गुरुकुल वैदिक संस्कृत महाविद्यालय सैनी के प्राचार्य व प्रवक्ता को बर्खास्त कर दिया गया है। साथ ही दोनों अध्यापकों से रिकवरी कराने का भी आदेश दिया गया है। उप शिक्षा निदेशक ने उक्त कार्रवाई के लिए डीआईओएस को निर्देश किया है। सिराथू सैनी स्थित गुरुकुल वैदिक संस्कृत महा विद्यालय के प्राचार्य कुलदीप नारायण व मिनीकेतन शास्त्री को फर्जी अभिलेख के सहारे नौकरी हथियाने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। उक्त प्रकरण में प्रबंधक दिलीप श्रीवास्तव ने बताया कि कुलदीप नारायण ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी हासिल की थी। जिसकी जांच संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रयागराज ने किया था। जांच में मिनीकेतन शास्त्री व कुलदीप नारायण के अभिलेख फर्जी व कूट रचित पाए गए। इससे दोनों अध्यापकों की नियुक्ति निरस्त करते हुए वेतन रिकवरी का आदेश हुआ है। साथ ही दोनों अध्यापकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का भी निर्देश हुआ है। प्राचार्य एवं प्रवक्ता से इस संबंध में बात नहीं हो सकी है।

दबंग प्रधानपति ने पूर्व सैनिक के घर पर दर्जनों साथियों के साथ किया हमला

मामला मंझनपुर थाना क्षेत्र के जुवरा गांव का पूर्व रंजिश के चलते हुई वारदात

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। दबंग प्रधान ने अपने साथियों के साथ पूर्व सैनिक के घर में हमला कर दिया, जिसके चलते सैनिक के रिश्तेदार सहित कई लोग घायल हो गए। यही नहीं दबंग प्रधान ने अपने राइफल से कई राउंड फायर भी कर दिया जिसके चलते गांव में दहशत फैल गई। मामले की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले की शिकायत करते हुए पीड़ित राजकुमार ने बताया कि गांव का ही रावेंद्र सिंह गांव में दबंग पूर्व में चुनाव की रंजिश को लेकर मंगलवार को 8:30 बजे के लगभग अपने साथियों राजकुमार, विनय, विकास और अनंत प्रसाद के साथ घर पर चढ़ा आया। और घर में घुसकर मारपीट करने लगा इस दौरान आए रिश्तेदार कमल सिंह को सिर पर गंभीर चोट करके घायल कर दिया घर के लोगों ने जब विरोध किया तो प्रधान ने कई राउंड फायर करके गांव में दहशत फैला दी घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह गांव में शांति व्यवस्था कायम किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घायल पूर्व सैनिक

भाई की सगाई में आए भाई बहन की चैन और लॉकिट को अज्ञात लोगों ने किया पार

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना अंतर्गत सटई गांव में एक सगाई कार्यक्रम में शामिल होने आए भाई और बहन के गले से सोने की चैन और लॉकिट को भीड़ में छूट भईया बदमाशों ने पार कर दिया । घटना के बाद भाई बहनों ने चरवा थाने में लिखित तहरीर दी है। सोमवार को लगभग शाम 7 बजे के करीब खान पुर थाना सराय अकिल निवासी मनोज कुमार पुत्र राम हित अपने भाई की सगाई में शामिल होने ग्राम सटयी थाना चरवा आया था। मनोज ने बताया कि इसी कार्यक्रम में डीजे भी बज रहा था। तभी डीजे वाले की जोर जोर से गाली गलौज करने की आवाज आई। मैने सोचा कि किसी से झगड़ा हो गया है। काफी लोग वहां जमा हो गए।मैने यही सोच कर मौके पर पहुंच कर बीच बचाव करने लगा तभी इस भीड़ में चार पांच की संख्या में अज्ञात लड़कों ने हमसे धक्का मुक्की शुरू कर दी और मेरे गले से 10 ग्राम की सोने की चैन जो मैने पहनी हुई थी उसे छीन कर भाग गए। मैं बड़ा जोर से चिल्लाया मगर शोर इतना ज्यादा था कि लोग समझ पाते इससे पहले वो लड़के चैन छीनकर रफूचक्कर हो गए। उनके जाने के बाद उसी भीड़ में शामिल मेरी बहन कोमल देवी पत्नी गुड्डू की भी रोने की आवाज आई उसने भी बताया की इसके गले से भी कोई उसकी चवन्नी भर की लॉकिट छीन कर भाग गया है। घटना से सहमे दोनो लोगों ने चरवा थाने में इस घटना की लिखित तहरीर दे दिया है।

कलेक्ट्रेट में फार्म जमा करने वालों की लग रही भारी भीड़

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। बैंकिंग कंपनी के नाम पर जमा कताओं का धन जमा कराने के बाद कंपनी के कार्यालय को बंद करके बैंकिंग कंपनी के लोगों द्वारा भाग जाने से जमा कर्ता विचलित हो उठे इसी बीच जमा कताओं को जानकारी मिली कि बैंकिंग कंपनी द्वारा उनके रुपए को वापस किए जाने के प्रयास शुरू हो गए हैं जिला अधिकारी कार्यालय के द्वारा जमा कताओं के ब्रांड जमा कराए जाने लगे कलेक्ट्रेट में एडीएम कार्यालय के बाहर एक लिपिक द्वारा जमा कताओं के बॉन्ड जमा कराए जा रहे हैं इस बात की जानकारी जैसे ही बैंकिंग कंपनी के जमा कताओं को लगी कई दिन से कलेक्ट्रेट में जमा कताओं की भीड़ लग रही है जिलाधिकारी ने एक कर्मचारी को

कलेक्ट्रेट में मौजूद जमाकर्ता

बॉन्ड जमा कराने के लिए लगाया है लेकिन भीड़ अधिक होने से पूरे समय कलेक्ट्रेट में जमा कताओं की भीड़ लगी रहती है अपने बॉन्ड जमा करने के लिए जमाकर्ता पूरे दिन परेशान रहते हैं देर शाम हो जाने के बाद प्रतिदिन सैकड़ों लोग बिना बॉन्ड जमा किए वापस लौट रहे हैं जमा कताओं की समस्याओं को देखते हुए कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाकर जमा कताओं के बॉन्ड को जल्दी जमा कराए जाने की मांग बैंक कंपनी के जमा कताओं ने अधिकारियों से की है।

गंदगी से बजबजाया सार्वजनिक शौचालय यात्रियों को झलनी पड़ रही फजीहत

कौशाम्बी। नगर पंचायत सराय अकिल अध्यक्ष और अधिशाषी अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं इस बात की गवाही बस अड्डा पर बना सार्वजनिक शौचालय चीख चीख कर - दे रहा है। सराय अकिल बस अड्डा पर बने सार्वजनिक शौचालय की दीवाल पर स्वच्छ सराय अकिल, स्वास्थ्य सराय अकिल लिखा हुआ है लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल ही अलग है। सार्वजनिक शौचालय के अंदर की स्थिति बद से भी बदतर हो चुकी है जिसे देखकर लोगों को घृणा महसूस होती है। बस अड्डा पर बने सार्वजनिक शौचालय में ना पानी की व्यवस्था है और ना ही साफ सफाई की व्यवस्था है। सार्वजनिक शौचालय में सफाई - व्यवस्था का उचित प्रबंध ना होने के कारण पूरा शौचालय मल मूत्र से भर पट गया - है और शौचालय के अंदर मल मूत्र का ढेर लगा हुआ है। अंदर की स्थिति देखकर - ऐसा लगता है जैसे कि वर्षों बीत जाने के बाद भी शौचालय की सफाई व्यवस्था पर जिम्मेदार अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। अंदर की स्थिति बेहद खराब होने के कारण बस अड्डा पर आने वाले लोग बाहर ही मल मूत्र त्याग कर चले जाते हैं जिससे नगर - पंचायत सराय अकिल में गंभीर बीमारी फैलने का खतरा भी तेजी से मंडरा रहा है।

नारेबाजी प्रदर्शन करते रेल कर्मी

रेल कर्मियों ने भरी हुंकार ओपीएस को लागू करे सरकार

अझुवा कौशाम्बी। भारतीय रेलवे में नेशनल ओल्ड पेंशन सिस्टम को बहाल कराने को लेकर रेलवे कर्मचारी लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं कर्मचारियों ने अब इस मांग को पूरी कराने के लिए किए जा रहे आंदोलनों को और तेज करने का फैसला लिया है इस कड़ी में आज मंगलवार को कनवार रेलवे स्टेशन के पास पीडब्ल्यूआई सिराथू विकास के नेतृत्व में रेलवे कर्मचारियों ने भारत सरकार के विरुद्ध गगनभेदी नारे लगाते हुए नेशनल ओल्ड पेंशन सिस्टम बहाल करने की मांग की है एनसीआरएमयू के मंडल मंत्री विकास और रेलवे कर्मचारियों ने कहा कि अभी तो यह शुरूआत है यदि हमारी मांगे सरकार द्वारा मानी नहीं गई तो रेलवे का चक्का भी जाम किया जाएगा इस दौरान कनवार रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर सहित कनवार रेलवे क्षेत्र में कार्यरत सभी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

फैमिली आईडी एक परिवार एक पहचान योजना के क्रियान्वयन के लिए दिया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कीर्त कुमार द्वारा मंगलवार को उदयन सभागार में प्रथम चरण मध्यान्ह 12 बजे से 01 बजे तक सभी उप जिलाधिकारियों की उपस्थिति तथा द्वितीय चरण में अपरान्ह 01 बजे से 02 बजे तक मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी की उपस्थिति में सम्बन्धित अधिकारियों कर्मचारियों को ह्लफैमिली आईडी-एक परिवार, एक पहचान योजनाह्व के क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण दिया। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ने बताया कि फैमिली आईडी का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को शत-प्रतिशत आच्छादित करना, डुप्लीकेट या फर्जी लाभार्थियों को हटाना, छूटे हुए लाभार्थियों और जरूरतमंद परिवारों की प्राथमिकता के आधार पर पहचान, सरकार की सभी योजनाओं का संतृप्तीकरण एवं लाभों के लक्षित वितरण के लिए सभी विभागों का एकीकरण करना हैं। उन्होंने बताया कि फैमिली आईडी प्रत्येक परिवार के लिए 12 अंको की एक विशिष्ट पहचान संख्या है, जिसमें परिवार के सदस्यों का विवरण दिया होगा। फैमिली आईडी डेटाबेस योजनाओं में पात्रता निर्धारित करने तथा लाभ से वंचित पात्र लाभार्थियों को लाभ देने के लिए केन्द्रीय भण्डार के रूप में कार्य करेंगा। फैमिली आईडी एक स्वैच्छिक सेवा है, केवल वे परिवार जो उ0प्र0/केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओ का लाभ प्राप्त कर रहें है या लाभ प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें पंजीकरण कराने की आवश्यकता हो सकतीं हैं। उन परिवारों

फैमिली आईडी का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को शत-प्रतिशत आच्छादित करना, डुप्लीकेट या फर्जी लाभार्थियों को हटाना

का फैमिली आईडी कार्ड बनाया जाना है, जो राशन कार्ड धारक नहीं है।ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ने प्रशिक्षण देते हुए बताया कि आवेदक द्वारा विभिन्न चरणों में स्वयं या सीएससी सेन्टर के माध्यम से इन प्रक्रियाओं के तहत बेवसाइट पर पंजीकरण किया जा सकता है तथा पंजीकरण के पश्चात लेखपालों एवं सचिव, ग्राम पंचायतों द्वारा सत्यापन किये जाने से सम्बन्धित सभी प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी गई इस अवसर पर सभी खण्ड विकास अधिकारीगण, सचिव ग्राम पंचायत एवं सम्बन्धित लेखपाल उपस्थित रहें।

जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

कौशांबी। अखिल भारतीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विमान को बिगत दिनों वाराणसी एयरपोर्ट पर निरस्त कर दिया गया एवं शासन के दबाव में एयरपोर्ट निदेशक के तहरीर पर काग्रेश के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री के ऊपर फर्जी मुकदमें लिखाने के संबंध में जनपद कौशांबी के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार विद्यार्थी ने अपने कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कांग्रेसी जनों के साथ जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विमान को वाराणसी एयरपोर्ट पर किसी के दबाव में उक्त लाइट को निरस्त कर लैंड नहीं करने दिया गया और जब स्थानीय प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री ने उस पर आवाज उठाई तो दबाव बनाने के लिए विपक्ष की आवाज को दबाने एवं लोकतंत्र का हनन करते हुए शासन के दबाव में एयरपोर्ट निदेशक की तहरीर पर प्रांतीय अध्यक्ष के ऊपर फर्जी तरीके से वाराणसी के फूलपुर थाने में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया गया जबकि मानहानि के मुकदमे में दावा किया जाता है उक्त प्रकरण की जांच करा कर तत्काल मुकदमे को वापस लिए जाने की मांग की गई है। महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को देते समय कौशांबी के जिला अध्यक्ष अरुण विद्यार्थी भारत गौतम मुकेश पासी इजहार एडवोकेट गुलाम मोहम्मद, मोहम्मद शाहिद तंजील अहमद नत्थू लाल आदि सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करोड़ों के बने अस्पताल भवन पर नहीं शुरू हो सका इलाज!

घटिया निर्माण के चलते कुछ वर्षों में भवन हो गया खंडार में तब्दील

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाए जा रहे भवन निर्माण में जमकर धांधली हो रही है जिससे समय के पूर्व स्वास्थ्य विभाग के भवन ध्वस्त हो रहे लेकिन उसके बाद भी शासन प्रशासन विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों के भ्रष्टाचार को संज्ञान लेकर कार्यवाही नहीं कर रहा है मामला चायल तहसील क्षेत्र के कनैली नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का है यह भवन एक दशक पूर्व करोड़ों की लागत से स्वास्थ्य विभाग ने बनाया था लेकिन भवन बनने के बाद ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों के बीच कमीशन खोरी के चलते खींचतान शुरू हो गई और भवन का हैंडोवर नहीं हो सका जिससे इस अस्पताल में मरीजों का इलाज नहीं शुरू हुआ देखते-देखते यह भवन खंडहर में तब्दील हो गया है अब यहां कोई चिकित्सक ड्यूटी देकर मरीजों का इलाज करने के लिए को तैयार नहीं है जिससे इलाके के मरीजों को आसपास इलाज की सुविधा भी नहीं मिल सकी है नवनिर्मित भवन खण्डहर में तब्दील हो जाने के बाद अभी तक कार्यदायी संस्था संबंधित ठेकेदार इंजीनियर से भवन निर्माण की रकम की वसूली कराए जाने का प्रयास योगी सरकार और उनके अधिकारियों ने शुरू नहीं किया है इलाके के लोगों ने योगी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए खण्डहर में तब्दील हो चुके नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कनैली के निर्माण की जांच कराने और दोषी ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करते हुए संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराकर उनकी गिरफ्तारी कराए जाने और भवन निर्माण की रकम वसूली कराए जाने की मांग की है।

संपादकीय

भारतीय विदेश नीति,हर आपदा ग्रस्त देश उसका दोस्त

भारत में भूकंप प्रभावित तुर्कीए और सीरिया ने शरीफ मदद कर लोगों की जान बचाने के प्रयास को विश्व के हर देश ने बहुत सार्थक बताकर उसकी प्रशंसा भी की है और उस सहायता के अनुसरण में दोनों देशों को विश्व के देशों ने मदद करने का प्रयास किया है। भारत ने पाकिस्तान के कट्टर समर्थक एवं मित्र तुर्किये को बिना किसी भेदभाव के बुरे वक्त पर आर्थिक तथा मेडिकल सहायता प्रदान कर अपनी विदेश नीति को खुला एवं शांति समर्थक प्रमाणित किया है। भारत की सकारात्मक विदेश नीति और निरपेक्ष छवि पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण तथा आदर्श की तरह सामने आई है, इसी रफ्तार से यदि भारत अपनी आंतरिक क्षमता, आर्थिक नीति तथा विदेशी संबंधों को गति देती है तो इसमें कतई संदेह नहीं कि भारत आने वाले समय में आर्थिक सामरिक और वैश्विक शांति का नेतृत्व करेगा जिसके फलस्वरूप उसे शांति महाशक्ति के रूप में पूरा विश्व स्वीकार करेगा। विगत कुछ वर्षों की कोविड-19 महामारी के कारण पूरा विश्व अशांत एवं तनावग्रस्त रहा है। इसके तुरंत बाद तालिबान-अफगानिस्तान युद्ध में विश्व युद्ध की आशंका मंडराने लगी थी, इससे पूरा विश्व चिंता तथा तनाव के मध्य जीने लगा था इसी क्रम में रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक युद्ध की आशंका को और बलवती बना दिया है। रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन लगभग तबाही के कगार पर बैठा है और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन परमाणु बमों का इस्तेमाल करने की घोषणा ने आग में घी का काम कर दिया है। परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध की विभीषिका के बादल मंडराने लगे हैं। विश्व के अनेक राष्ट्र जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, साउथ अफ्रीका और अन्य यूरोपीय देश भारत और रूस के कई वर्षों के निरंतर घनिष्ठ संबंधों के आधार पर भारत और भारत के प्रधानमंत्री से यह आशा लगाए बैठे हैं कि वह रूस और यूक्रेन युद्ध पर मध्यस्थता कर युद्ध में विराम लाने का प्रयास करेंगे। विगत दिनों समरकंद में अंतरराष्ट्रीय बैठक में मोदी ने एक-एक कर के वैश्विक नेताओं से मुलाकात कर पुतिन तथा जेलेंस्की से युद्ध विराम की अपील भी की है। ऐसे में भारत की गुटनिरपेक्षता एवं वैश्विक शांति तथा वसुधैव कुटुंबकम जैसा भारतीय दर्शन अत्यंत समीचीन एवं प्रासंगिक हो गया है। वर्तमान वैश्विक त्रासदी एवं वैश्विक अशांति के दौर में एक दूसरे की सहायता करना एवं एक दूसरे के मंतव्य, संवेदना को समझने की बड़ी आवश्यकता है। रूस और यूक्रेन के युद्ध का रुकना अब शांति बहाली के लिए अत्यंत आवश्यक भी है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश ने लगभग 40 देशों को कोविड-19 के महामारी के दौरान कई तरह से मदद भी की है। हालांकि भारत में महामारी के दौरान यूरोपीय देशों तथा अन्य देशों ने भी अपना परिवार मानकर खुले दिल से संक्रमण से लड़ने के लिए आर्थिक एवं चिकित्सकीय सहायता प्रदान की थी। भारत की विदेश नीति में वसुधैव कुटुंबकम और वैश्विक शांति की नीति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य की गई है। इसमें दो मत नहीं कि अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति की वन टू वन बैठक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ट्रस्टीशिप की नीति एवं भावना की दोनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने बड़ी सराहना की।

बाइडेन की यूक्रेन यात्रा, रूस यूक्रेन युद्ध भड़काने की कवायद

संजीव

अमेरिकी राष्ट्रपति की अचानक गोपनीय यूक्रेन की यात्रा ने पूरे विश्व को चौंका दिया है। हवाई जहाज से पोलैंड तक और गुप्त तरीके से फिर रेल से कीव पहुंचने की कवायत ने यूक्रेन रूस के युद्ध को आगे बढ़ाने का नया संदेश दिया है। यह घटना युद्ध की आग में घी डालने जैसी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ मिलकर गर्मजोशी से उसे करोड़ों डॉलर की सामरिक मदद करने की घोषणा की है जबकि यूक्रेन के राष्ट्रपति हर देश से एयरक्राफ्ट की मांग करते रहे हैं पर किसी देश ने उन्हें एयरक्राफ्ट देना स्वीकार नहीं किया। इसके पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक नहीं यूक्रेन यात्रा कर उसे मदद करने का ऐलान किया था। कुल मिलाकर विश्व शांति के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है। यह घटनाक्रम और अमेरिका ब्रिटेन तथा यूरोप के देश युद्ध को खत्म किए जाने की भारतीय पहल को एक सिरे से खारिज कर रहे हैं।

युद्ध और हिंसा क्रोध से शुरू होकर पश्चाताप और दुखों के चिंतन में खत्म होता है। रूस और यूक्रेन युद्ध कि कइ दिनों से ज्यादा के युद्ध की परिणति में शिवाय पश्चाताप के कुछ नहीं है' रूस अपने सनकी राष्ट्रपति पुतिन की जिद की बलि चढ़ गया है। वह यूक्रेन से जीत कर भी मानसिक और वैचारिक रूप से हार गया है' रूस अपने को जितना बलशाली, शक्तिशाली समझता था अब उसकी पोल खुल गई है,अनेकों माह से ज्यादा के युद्ध में रूस यूक्रेन जैसे छोटे देश को जीत नहीं पाया है' यूक्रेन भी अपनी राष्ट्रपति की हठधर्मिता के कारण पूर्ण रूप से बर्बाद हो चुका है. यूक्रेन के 1करोड़40लाख नागरिक देश छोड़कर शरणार्थी बन चुके हैं। 40 हजार इमारतें बर्बाद हुई 20 लाख बच्चे घरों से दूर होकर शिक्षा से वंचित हो गए। ईसी तरह यूक्रेन तथा रूस के लगभग 50 बाजार सैनिक युद्ध में मारे गए है।यह युद्ध की विभीषिका कहां तक जाएगी इसका आकलन करना तो कठिन है पर इसके परिणाम अत्यंत अमानवीय,कारुणिक और आर्थिक नुकसान देने वाले साबित हुए हैं।

रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के तथाकथित दोस्तों अमेरिका तथा नैटो देशों ने सक्रियता से मैदान में साथ नहीं दिया, केवल दूर से यूक्रेन को शाबाशी देते रहे यूक्रेन अब संपूर्ण बबार्दी के कगार पर है। रूस का उसके अपने ही राष्ट्र में युद्ध के खिलाफ विरोध के स्वर उभर रहे हैं। नोबेल पुरस्कार प्राप्त पत्रकार ने अपने पूर्व में प्राप्त नोबेल पुरस्कार मेडल को बेचने का ऐलान किया है एवं यूक्रेन में मरने वाले हजारों बच्चों के हित में वह धनराशि रेड क्रॉस को प्रदान करेगा।

बिलबिलाते बिलावल-आसिफ की आतंकी स्वीकारोक्ति

बदहाल नापाक के बिलबिलाते विदेश और रक्षा मंत्री बिलावल और आसिफ का रुदन इन दिनों वैश्विक समाचारों की चर्चा में है। दोनों ही हैरान परेशान हो चीख-चीख कर दुनिया को बता रहे हैं कि उनका देश आतंकवाद को जन्म पोषण और विस्तार देने की अपनी नापाक हरकतों के कारण आज खुद उसका शिकार हो रहा है और वे, उनका देश और उनकी सरकार उससे तबाह हैं । नापाक पाकिस्तान को दिवालिया मान चुके वहां के विदेश मंत्री आसिफ ने पिछले दिनों सियालकोट के एक कॉलेज के दीक्षांत समारोह में कहा कि हमारे कई राजनेताओं और नौकरशाहों ने ऐसी भारी गलतियां की है जो अब देश पर भारी पड़ रही है । उन्होंने कहा कि आतंकवाद को हम ही लेकर आए थे और अब ये हमारा मुकद्दर बन गया है ! वहीं अपने स्व निर्मित एंव पोषित आतंकवाद से बूरी तरह भयभीत और बिलबिलाते उसके बड़बोले और मतिमंद रक्षा मंत्री बिलावल ने हाल ही में जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यदि अंतरिम अफगान सरकार ने अपने क्षेत्र से संचालित आतंकवादी समूहों से निपटने के लिए इच्छाशक्ति और क्षमता का प्रदर्शन नहीं किया तो आतंकवाद को पाकिस्तान से बाहर अन्य स्थानों पर जाने में अधिक समय नहीं लगेगा।

नापाक के इन नापाक हुक्मरानों की अपनी काली करतूतों की व्यथा कथा और इनके द्वारा किए जा रहे विधवा विलाप का अर्थ बिल्कुल स्पष्ट, पारदर्शी और आइने की तरह साफ है कि आज पाकिस्तान की जो दुर्दशा है और वहां की आम जनता आज जिस आर्थिक बदहाली और आतंकवाद से बूरी तरह त्रस्त है उसका सबसे बड़ा गुनाहगार उसका आज तक का शासन-प्रशासन ही रहा है । वहां की सत्ता और सेना ने आज तक भारत विरोध के नाम पर जिस नाकामी, भ्रष्टाचार और आतंकवाद की फसल बोई और काटी है, उसका नतीजा ही आज वहां की करोड़ो आम जनता को वर्तमान बदहाली और आतंकवादी हिंसा के रुप में भोगना पड़ रहा है । अतः वहां की आम जनता को चाहिए कि जब जागो तभी सबेरा की कहावत को चरितार्थ करते हुए वह कम से कम अब भी अपने नापाक शासन-प्रशासन और सेना के खिलाफ खड़ी हो और आतंकवाद के विरुद्ध उसे कठोर और निर्णायक लड़ाई के लिए बाध्य करे ।

रही बात इन नापाक मंत्रियों के रुदन की, तो पाकिस्तानी आवाम हो या वैश्विक जनमानस और शासक-प्रशासक, उन्हें आतंकवाद पर इनकी इस स्वीकारोक्ति के माध्यम से उनके और उनके नापाक हो चुके मुल्क पाकिस्तान के विरुद्ध अत्यंत कठोर और निर्णायक नीति, नीयत और कार्रवाई का कदम उठाना चाहिए, अन्यथा आज नहीं तो कल बिलबिलाते बिलावल का सच दुनिया के किसी भी देश को भोगना पड़ सकता है । कब, क्यों और कैसे ? इस सच के ज्यादा विस्तार में जाने की जरूरत बिल्कुल नहीं है क्योंकि आतंकवाद कब, कैसे और कहां अपना आतंक बरपाता है या बरपा सकता है, यह बात आज लगभग पूरी दुनिया जानती है। खुद को सर्व शक्तिमान, शक्तिशाली और पूर्ण रुपेण सुरक्षित समझने के विश्वास और दंभ से भरे कई प्रमुख राष्ट्र आतंकवाद का शिकार हो चुके हैं, आज भी हो रहे हैं और बेशक आतंकवाद का जितना और जितने रुप में विस्तार हो चुका है, आंशिक अल्पकालीन वैश्विक एकजुटता और यदा-कदा के संघर्ष के बाद भी शिकार होते रहेंगे । इसमें कतई संदेह नहीं कि यदि उनके द्वारा समय रहते आतंकवाद के विरुद्ध दीर्घकालीन वैश्विक एकजुटता और उसके समूल विनाश की दूरदर्शी योजना बना उसे जड़ से समाप्त नहीं किया गया तो वे लाख सावधानियों के बाद भी आतंकवाद का शिकार होते रहने की आशंकाओं से भयभीत और बचाव हेतु गैरजरुरी खर्च करने के लिए सदैव बाध्य बने रहेंगे । अतः बेहतर होगा कि वैश्विक समुदाय और शासन आतंकवाद के ज्यादा विस्तार, शक्तिशाली और सरलता से और ज्यादा प्रभावी होने के पूर्व ही उसके विरुद्ध आरपार की निर्णायक जंग को तैयार हो जाए, लड़े तथा जीते भी । पाकिस्तान के इन नापाक हुक्मरानों की स्वीकारोक्ति का वैश्विक नेताओं, शासको को पूरा लाभ उठाना चाहिए । उन्हें हाथ आए इस अवसर का भरपूर सदुपयोग करते हुए इन पाकिस्तानी मंत्रियों और इनकी सरकार से यह कहना चाहिए कि वे उनके देश के आतंकवादियों से मुक्ति दिलाने के लिए उसे हर संभव सैन्य सहयोग करने को तैयार हैं । याद रहे सैन्य सहयोग, आर्थिक सहयोग कदापि नहीं, क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो वह जहरीले और घातक सांप को दुध पिलाने जैसा होगा । मुझे लगता है भारत को भी अप्रत्यक्ष रूप से इस अवसर का कुशलतापूर्वक हर संभव कूटनीतिक सदुपयोग करना चाहिए । घबराए, चिंतित, विचलित और भयभीत हुए इन पाकिस्तानी हुक्मरानों की आंतकी स्वीकारोक्ति को निरंतरता देते हुए उसका उपयोग उसके पोषित आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक आक्रमकता में बदलने का काम यूं भी भारत वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में बहुत सरलतापूर्वक कर सकता है । पाकिस्तानी आतंकवाद और कई घोषित हो चुके वैश्विक आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों के नाम और उनकी सच्चाई अब सर्वविदित है । रही बात नापाक की बदहाली के इस दौर में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से उसका साथ देने वाले कुछ बेहद चतुर, मतलब परस्त देशों की तो सौभाग्य से वर्तमान समय में उनका बहुत खुलकर साथ और सहयोग देना भी मुश्किल लगता है । आतंकवाद से त्रस्त वैश्विक समुदाय और भारत के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि अभी बदनीयति और हैवानियत की सारी हदें लांघ चुके नापाक के लिए लंबे समय तक उसके आतंकवाद का पालन पोषण करने वाला और उसकी घोर शैतानियत के लिए अपनी तिजोरी का पिछला दरवाजा खोलकर उसे जी भर कर मुंह मांगी खैरात देने वाला मुल्क फिलहाल उसके खाली कटोरे से नजरें फेर रखा है तो दूसरी तरफ पुराने मालिक का चतुर और बड़ा दुश्मन भी अब उसके भयावह भविष्य की कल्पना से आशंकित हो पीठ दिखाए उस पर गुर्रा रहा है । रही-सही दुर्गति की सारी कसर उसकी उस कौमी संगत ने निकाल दी है जिसे वह मूर्खता में खुद की कौमियत वाली जागीर मान बैठा था । फिलहाल उसके हालात इतने बूरे और बेकाबू हैं कि एक तरफ मजबूरी में डूब मरने के लिए उसके सामने स्वजनित आतंकवाद के कई खौफनाक कुएं हैं तो दूसरी तरफ लाख गिड़गिड़ाने के बाद भी भीख ना मिलने और भूख से बेहाल आक्रोशित जनता के डर से छलांग मार कर मरने वाली गहरी खाई है ! कुल मिलाकर कह सकते हैं कि आज जब नापाक अपने ही जनित और पोषित आतंकवाद और हैवानियत के दंश को झेलने के लिए मजबूर और अभिशप्त है तब उसके आतंकवाद से सबसे ज्यादा त्रस्त भारत के सामने एक अत्यंत सुनहरा अवसर है कि वह ना सिर्फ नापाक के वर्तमान और भविष्य के आतंकवाद से मुक्ति का हर संभव सफल प्रयास करे बल्कि ऐसा कर के आतंकवाद से दुनिया को मुक्ति दिलाने के वसुधैव कुटुम्बकम के अपने आत्मीय और मानवीय सिद्धांत और कर्म को भी फलीभूत करे ।

भ्रष्टाचार के राक्षसों पर केन्द्रीय एजेंसियों का शिकंजा

ललित गर्ग

केंद्रीय एजेंसियां ईडी, सीबीआइ अथवा आयकर विभाग इनदिनों राजनीतिक दलों एवं नेताओं के पर कार्रवाई करती हुई नजर आ रही है, आजादी के बाद से भ्रष्टाचार एवं घोटालों पर नियंत्रण के लिये आवाज उठती रही है, इसके लिये आन्दोलन एवं अनशन भी होते रहे हैं, लेकिन सबसे प्रभावी तरीका केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई एवं न्यायालयों की सख्ती ही है, जो भ्रष्टाचारियों पर सीधा हमला करती है। देश में सर्वाधिक भ्रष्टाचार राजनीतिक दलों में ही व्याप्त रहा है, इसलिये अब तक केन्द्रीय एजेंसियां की कार्रवाईयां उन पर प्रभावी नहीं हो पा रही थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता हासिल करते ही भ्रष्टाचार के खिलाफ कमर सकी है, जिसका असर देखने को मिल रहा है। भले ही इनदिनों हो रही केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को राजनीतिक प्रेरित बताया जाये, लेकिन इससे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में एक कारगर एवं प्रभावी कदम कहा जायेगा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी हो या कांग्रेस या अन्य राजनीतिक दल, जब-जब उनके भ्रष्टाचार उजागर हुए, केन्द्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, उसे डराने का हथकंडा कहा गया हो या राजनीतिक प्रेरित, जनता ने उनका स्वागत ही किया है। भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने की मानसिकता से उबरना ही होगा।

इनदिनों छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लगभग एक दर्जन नेताओं के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों की कार्रवाई चल रही है। इससे कांग्रेस में बौखलाहट देखने को मिल रही है, पार्टी के नेताओं का कहना है कि इस तरह के हथकंडों से डराया नहीं जा सकता। प्रश्न है कि राजनीति दलों का सर्वोच्च नेतृत्व अपने नेताओं के भ्रष्ट कारनामों पर खुद सख्त क्यों नहीं होता? क्यों भ्रष्टाचार पर ये दल संरक्षण की मुद्रा में दिखाई देते हैं? चूंकि ईडी की यह कार्रवाई राज्य में कांग्रेस के अधिवेशन के पहले हुई, इसलिए उसके कुछ ज्यादा ही राजनीतिक मायने देखे जा रहे हैं। वैसे यह अधिवेशन न होता तो भी यह तय था कि कांग्रेस की ओर से ईडी को कोसा जाता और यह आरोप लगाया जाता कि केंद्रीय एजेंसियों का अनुचित इस्तेमाल किया जा रहा है। वास्तव में यह वह आरोप है, जो हर उस राजनीतिक दल की ओर से उछाला जाता है जिसके नेता ईडी, सीबीआइ अथवा आयकर विभाग की जांच के दायरे में आते हैं। छत्तीसगढ़ में जो छापेमारी हुई, वह अवैध कोयला खनन के मामले में हुई, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पता नहीं इस घोटाले का सच क्या है, लेकिन आज कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि राज्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर के भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है।

नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार की आए दिन आने वाली खबरें यही बताती हैं कि केंद्रीय एजेंसियां डाल-डाल हैं तो भ्रष्टता का जाल पात-पात। विडम्बना तो यह है कि नेतृत्व करने वाली ताकतें भ्रष्टाचार में लिप्त है। लेकिन आज भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में जो माहौल बना है, वह निश्चय ही बहुत बड़ी बात है, एक शुभ संकेत है। हमें इस मौके को बर्बाद नहीं करना चाहिए। निश्चित ही भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का जो केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का तरीका अपनाया जा रहा है, वह सही तरीका है। पूर्व में कुछ लोग अनशन और भूख हड़ताल को इसके खिलाफ लड़ाई का हथियार बनाते रहे हैं। मेरा मानना है कि यह गलत तरीका है। अनशन में मुद्दा पीछे छूट जाता है और अनशन करने वाले आदमी पर सारा ध्यान केंद्रित हो जाता है। मुद्दे को पीछे छोड़कर हम कुछ हासिल नहीं कर सकते। तमाम कोशिशों के बावजूद भ्रष्टाचार और घोटालों का घटाटोप मौसम है, ऐसा कुछ भी कह पाना भले मुश्किल हो, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई ऐसा नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे फैशन के तहत हजारों जुमलों में किसी समाज को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का भी यही समय है और मैं समझता हूं, इस पड़ताल की शुरूआत उन गलतफहमियों को उघाड़े जाने से होनी चाहिए, जो राजनीतिक दलों ने खुद के बारे में पाल रखी हैं। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर भले ही यह वातावरण बनाया जाए कि उनका राजनीतिक उपयोग किया जा रहा है, लेकिन आम जनता पर उसका असर मुश्किल से ही पड़ता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जनता इससे अच्छी तरह परिचित है कि नेताओं और नौकरशाहों के बीच भ्रष्टाचार की क्या स्थिति है? राजनीतिक दल कुछ भी कहें, केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी के दौरान नेताओं और नौकरशाहों के यहां अकूत संपदा मिलने के प्रसंग त्रासद ही कहे जा सकते है। निश्चित रूप से भ्रष्ट तत्वों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, लेकिन वह केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह ठीक नहीं कि केंद्रीय एजेंसियां जिस तत्परता से भ्रष्ट तत्वों के यहां छापेमारी करती हैं, वह आगे नहीं निस्तेज हो जाती है। प्रायः घपले-घोटालों की जांच इतनी लंबी खिंचती है कि लोगों की संबंधित मामले में रुचि नहीं रह जाती। इसका कोई औचित्य नहीं कि भ्रष्ट तत्वों को सजा मिलने में जरूरत से ज्यादा देर हो। फिलहाल ऐसी ही स्थिति है। इसी कारण न तो भ्रष्ट तत्वों के दुस्साहस का दमन हो पा रहा है और न ही राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार में कोई कमी आती दिख रही है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की पूर्व रपट के अनुसार एशिया मे सबसे अधिक भ्रष्टाचार यदि कहीं है तो वह भारत में है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इससे गंदा प्रमाण पत्र क्या मिल सकता है? इसका अर्थ क्या हुआ? क्या यह नहीं कि भारत में लोकतंत्र या लोकशाही नहीं, नेताशाही और नौकरशाही? भारत में भ्रष्टाचार की ये दो ही जड़े हैं। पिछले आठ-नौ साल में नेताओं के भ्रष्टाचार की खबरें काफी कम आई हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि भारत की राजनीतिक व्यवस्था भ्रष्टाचार मुक्त हो गई है। उसका भ्रष्टाचार मुक्त होना असंभव है। हां, सर्वोच्च नेतृत्व की कठोरता का यह असर है कि नेताओं ने भ्रष्टाचार की वैतरणी पर चादर डाल दी है। भ्रष्टाचार तो है पर दिखे ना इसकी कुचेष्टाएं हो रही है। राजनेताओं का भ्रष्टाचार लूके-छिपे यथावत बदस्तुर जारी है। यह एक बड़ा सच है कि यदि नेता लोग रिश्वत नहीं खायेंगे, डरा-धमकाकर पैसा वसूल नहीं करेंगे और बड़े व्यावसायिक घरानों की दलाली नहीं करेंगे तो वे चुनावों में खर्च होने वाले करोड़ों रुपया कहां से लाएंगे? उनके ऐशोआराम पर रोज खर्च होनेवाले हजारों रुपया का इंतजाम कैसे होगा? उनकी और उनके परिवार की चकाचौंधपूर्ण जिंदगी कैसे चलेगी? इस राजनेताओं की भ्रष्ट अनिवार्यता को ढाई हजार साल पहले आचार्य चाणक्य और यूनानी दार्शनिक प्लेटो ने अच्छी तरह समझ लिया था। इसीलिए चाणक्य ने अपने अति शुद्ध और सात्विक आचरण का उदाहरण प्रस्तुत किया और प्लेटो ने अपने ग्रंथ रिपब्लिक में दार्शनिक राजा की कल्पना की, जिसका न तो कोई निजी परिवार होता है और न ही निजी संपत्ति। लेकिन आज की राजनीति में परिवारवाद और निजी संपत्तियों के लालच ने देश की राजनीति को बर्बाद करके रख दिया है। नेताओं का भ्रष्टाचार ही नौकरशाहों को भ्रष्ट होने को प्रोत्साहित करता है।

हर नौकरशाह अपने नेता की नस-नस से वाकिफ होता है। उसे उसके हर भ्रष्टाचार का पता होता है। इसलिए नौकरशाह के भ्रष्टाचार पर नेता उंगली नहीं उठा सकता है। दोनों एक-दूसरे के भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। यदि भ्रष्टाचार पर प्रभावी ढंग से लगाम लगानी है तो ऐसी व्यवस्था करनी ही होगी, जिससे भ्रष्टाचार के आरोप से घिरे नेताओं और नौकरशाहों को यथाशीघ्र सजा मिले। आवश्यक केवल यह नहीं कि एजेंसियां अपनी जांच शीघ्र पूरी करें बल्कि संबंधित अदालतें जल्द फैसला भी सुनाएं।

क्यों झेल रही निराशा, स्वास्थ्य कार्यकर्ता आशा?

प्रियंका सौरभ

आशा कार्यकर्ता समुदाय के भीतर से स्वयंसेवी हैं जिन्हें जानकारी प्रदान करने और सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल योजनाओं के लाभों तक पहुँचने में लोगों की सहायता करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-केंद्रों और जिला अस्पतालों जैसी सुविधाओं के साथ उपेक्षित समुदायों को जोड़ने वाले पुल के रूप में कार्य करते हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के तहत इन सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की भूमिका पहली बार 2005 में स्थापित की गई थी। आशा मुख्य रूप से समुदाय के भीतर 25 से 45 वर्ष की आयु के बीच विवाहित, विधवा, या तलाकशुदा महिलाएं हैं। उनके पास अच्छा संचार और नेतृत्व कौशल होना चाहिए; कार्यक्रम के दिशानिदेर्शों के अनुसार कक्षा 8 तक औपचारिक शिक्षा के साथ साक्षर होना चाहिए। इसका उद्देश्य प्रत्येक 1,000 व्यक्तियों या पहाड़ी, आदिवासी या अन्य कम आबादी वाले क्षेत्रों में प्रति बस्ती के लिए एक आशा है। देश भर में लगभग 10.4 लाख आशा कार्यकर्ता हैं, जिनमें सबसे अधिक कार्यबल उच्च जनसंख्या वाले राज्यों - उत्तर प्रदेश (1.63 लाख), बिहार (89,437), और मध्य प्रदेश (77,531) में है। सितंबर 2019 से उपलब्ध नवीनतम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आंकड़ों के अनुसार, गोवा एकमात्र ऐसा राज्य है जहां ऐसा कोई कर्मचारी नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने देश के 10.4 लाख आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कार्यकताओं को समुदाय को सरकार के स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जोड़ने के उनके प्रयासों के लिए 'ग्लोबल हेल्थ लीडर्स' के रूप में मान्यता दी है। हालांकि यह प्रशंसनीय है, महिला स्वास्थ्य स्वयंसेवक उच्च पारिश्रमिक, नियमित नौकरी और यहां तक कि स्वास्थ्य लाभ के लिए संघर्ष करना जारी रखती हैं। जबकि कई राज्यों में रुक-रुक कर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, देश भर से हजारों आशा कार्यकर्ता अपनी मांगों के लिए लड़ने के लिए पिछले साल सितंबर में सड़कों पर उतरीं। आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कार्यकताओं को 75वीं विश्व स्वास्थ्य सभा की पृष्ठभूमि में ग्लोबल हेल्थ लीडर्स अवार्ड-2022 प्राप्त हुआ है। उन्हें 2020 में टाइम पत्रिका द्वारा "गार्जियन ऑफ द ईयर" नामित किया गया था। आशा कार्यकर्ता अपने निर्दिष्ट क्षेत्रों में घर-घर जाकर बुनियादी पोषण, स्वच्छता प्रथाओं और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करते हैं। वे मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि महिलाएं प्रसव पूर्व जांच कराती हैं, गर्भावस्था के दौरान पोषण बनाए रखती हैं, स्वास्थ्य सुविधा में प्रसव कराती हैं, और बच्चों के स्तनपान और पूरक पोषण पर जन्म के बाद का प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। वे महिलाओं को गर्भनिरोधक और यौन संचारित संक्रमणों के बारे में भी सलाह देते हैं। आशा कार्यकताओं को यह सुनिश्चित करने और बच्चों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने का काम भी सौंपा गया है। मां और बच्चे की देखभाल के अलावा, आशा कार्यकर्ता राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत प्रत्यक्ष रूप से देखे गए उपचार के तहत टीबी रोगियों को रोजाना दवाइयां भी प्रदान करती हैं। उन्हें मौसम के दौरान मलेरिया जैसे संक्रमणों की जांच करने का काम भी सौंपा जाता है। वे अपने अधिकार क्षेत्र के तहत लोगों को बुनियादी दवाएं और उपचार भी प्रदान करते हैं जैसे मौखिक पुनर्जलीकरण समाधान, मलेरिया के लिए क्लोरोक्वीन, एनीमिया को रोकने के लिए आयरन फोलिक एसिड की गोलियां और गर्भनिरोधक गोलियां। स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को उनके निर्दिष्ट क्षेत्रों में किसी भी जन्म या मृत्यु के बारे में उनके संबंधित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सूचित करने का काम भी सौंपा गया है। आशा कार्यकर्ता सरकार की महामारी प्रतिक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं, अधिकांश राज्यों ने कंटेनमेंट जोन में लोगों की स्क्रीनिंग के लिए नेटवर्क का उपयोग किया, उनका परीक्षण किया, और उन्हें क्वारंटाइन केंद्रों में ले गए या होम क्वारंटाइन में मदद की। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों में कोविड-19 के लक्षणों की जांच की। उन्हें बुखार या खांसी थी, उसका टेस्ट कराया था। उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया और लोगों को संगरोध केंद्रों तक पहुंचने में मदद की।

गड्ढों में बंग्ला

डॉ. सुरेश कुमार

चुनाव से पहले एक गड्ढे वाली सड़क थी। चुनाव हो जाने के बाद सिर्फ गड्ढे बच गए हैं। अब हम भगवान से मात्र इतनी प्रार्थना कर रहे हैं कि भविष्य में फिर कभी चुनाव न हो। हमें पक्का विश्वास है कि यदि इस बार चुनाव हुए तो ये गड्ढे भी नहीं बचेंगे। चुनाव के नाम से हमें बड़ा डर लगता है। भरभरा के नेता आते हैं और भर-भर के वादे कर जाते हैं। उसके बाद उनके फैलाये वादे के रायते को साफ करने में हमारी नानी मर जाती है। ये नेता भी बड़े गजब होते हैं। भीड़ को भेड़ समझकर खुद कसाई बन जाते हैं। हम हैं कि इन कसाइयों के हाथों अपना गला कटवाकर सारे जहाँ से अच्छा...वाला गीत गाने में अपनी शान समझते हैं। इन्हीं लोगों के डर के मारे हम दिन को रात, महंगे को सस्ता, बलात्कारी को चमत्कारी, बुरे को अच्छा और गड्ढे को सड़क कहकर अपनी देशभक्ति प्रकट करने में कोई कोताही नहीं बरतते। कोई बेवकूफ ही होगा जा इनके विरुद्ध जाकर मौत के कुएँ में पैर धरेगा। हमारे यहाँ विज्ञान की किताबें धूल फांकती हैं। इसीलिए शरीर को जिंदा रखने के लिए सत्तर प्रतिशत पानी और भोजन की आवश्यकता नहीं पड़ती। शरीर तो देशभक्ति के पीने और खाने से चल जाता है। सड़क बनाने का वादा भी उसी का हिस्सा था। वादा इतना खतरनाक था कि पूरा गाँव इस खतरे के रडार में आ गया। बची खुची नाक सड़क पर रगड़ने की खोज में गड्ढे में जा धंसी। ओखली में मूसल और देश में चुनाव से कोई नहीं बच सकता है। इसीलिए यहाँ जन्म लेने वाले जन्मजात हैरतअंगेज कारनामों के लिए जाने जाते हैं।

सपा नेता फराज खान को साजिश रचने में पुलिस ने दबोचा

संगीन धाराओं में फराज की हुई है गिरफ्तारी: डीआईजी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जेल में बन्द माफिया डान मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो अंसारी के पति से जेल में बिना इंट्री के मिलने के मामले में पुलिस ने सपा जिला महासचिव फराज खान को गिरफ्तार कर लिया है। डीआईजी डॉ विपिन मिश्रा ने बताया कि फराज खान को जेल मिलन कांड में साजिश रचने व दफा 34 तथा अन्य संगीन धाराओं में दबोचा गया है।

सोमवार को देर रात पुलिस अधीक्षक कार्यालय राघव प्रेक्षागार में डीआईजी डॉ विपिन कुमार मिश्र व एसपी श्रीमती वृन्दा शुक्ला पत्रकारों से रुबरु हुए। उन्होंने बताया कि निखत जेल में तकरीबन 34 बार पति अब्बास से मिलने गई। इस बीच उसने एक बार भी रजिस्टर में साइन नहीं किया। उसकी कहीं पर तलाशी भी नहीं हुई और न कोई रोका-टोकी की गई। वह जेल के वीआईपी गेस्ट हाउस में पति से नियमित चार-पांच घंटे मिलती थी। शुरूवाती दौर में वह जिला मुख्यालय के एक होटल में ठहरी थी। फिर उसे फराज खान ने कपसेठी गांव में प्रहलाद साहू का मकान किराये पर दिलवा दिया था। वह अपने एक साल के बेटे के साथ उसी मकान में ठहरती थी। उसके साथ एक केयरटेकर व वाहन चालक नियाज भी रहता था। डीआईजी ने बताया कि निखत के लिए सभी व्यवस्थायें सपा नेता फराज खान करता था। जेल के कुछ अफसरों को नकदी व महंगे गिफ्ट भी फराज खान ने ही भिजवाये थे। कुछ और नेताओं के नाम सामने आये हैं। उनकी तलाश जारी है।

डीआईजी डॉ मिश्रा ने बताया कि जेल अधिकारियों और कर्मचारियों के तार इस कांड में जुडे हैं। पूंछताछ को उन्हें भी बुलाया जा रहा है। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही तय है। सभी साक्ष्य जुटाये जा रहे हैं। जेल में ये सब खेल नकदी और गिफ्ट के लोभ में मिलीभगत से किया गया है। पूंछताछ में फराज का नाम आने पर उसे दबोचा गया है। एसपी वृन्दा शुक्ला ने बताया कि निखत और परिजनों ने जिले में कई जगह सम्पर्क किया है। जनवरी माह में 25 दिन और फरवरी माह में नौ दिन अब्बास अंसारी से मिलने जेल पहुंची थी। आरोपी पुलिस कर्मियों को निलम्बन अवधि में अलग-अलग जगह सम्बद्ध किया गया है।

उन्होंने बताया कि निखत और ड्राइवर नियाज से एसटीएफ और एसआईटी समेत तीन टीमों ने पूंछताछ की है। अब्बास को जेल से फरार कराने की साजिश थी। रविवार देर रात फराज खान की गिरफ्तारी को कर्वी कोतवाली पुलिस ने उसके घर में छापेमारी की थी। फराज के न मिलने पर पुलिस उसके पिता मुन्ने खां को पकड लाई थी। नतीजतन फराज खान पुलिस की गिरफ्त में आ गया। पुलिस गिरफ्त में फराज खान ने मीडिया को बताया कि उसका कोई कसूर नहीं है। उसने महिला होने के नाते निखत की मदद की थी। निखत और उसका ड्राइवर उनके होटल में खाने आते थे। यहीं उनसे परिचय हो गया था। उस पर लगे आरोप गलत हैं।

फटाफट खबरें

बैडमिन्टन प्रतियोगिता में लें प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चित्रकूट धाम मंडल के क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी विजय कुमार ने बताया कि जी-20 प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालक/बालिका बैडमिन्टन प्रतियोगिता 25 से 27 फरवरी तक खेल कार्यालय ललितपुर में होगी।

मंगलवार को क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी विजय कुमार ने बताया कि चित्रकूट धाम मण्डल की टीमें भी हिस्स लेंगी। जिन बालक/बालिकाओं की उम्र 15 वर्ष से नीचे हो वह अपने जिला खेल कार्यालय बांदा, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट में सम्पर्क करके 23 फरवरी को मंडलीय ट्रायल में पूर्वान्ह 11 बजे स्पोर्टस स्टेडियम चित्रकूट में भाग ले सकते हैं। चित्रकूट स्पोर्टस स्टेडियम में ट्रायल देने आने वाले खिलाडी सभी प्रमाण पत्र साथ लेकर आयेंगे।

आयोजकों ने आवास की व्यवस्था कराई है। दैनिक भत्ता टीम मैनेजर के खाते में हस्तान्तरित की जाएगी। टीम मैनेजर अपना खाता संख्या एवं आईएफएससी कोड साथ लेकर प्रतियोगिता स्थल पर खिलाडियों को साथ लेकर आयेंगे। ज्यादा जानकारी को स्पोर्टस स्टेडियम चित्रकूट में एथलेटिक्स कोच अंगद सिंह से सम्पर्क कर सकते हैं।

बदहाली के आंसू बहा रहा राजा घाट, पार्क भी बदहाल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला मुख्यालय स्थित मन्दाकिनी किनारे राजा घाट बदहाली का शिकार है। यहां पर तमाम महिलायें स्नान करने प्रतिदिन आती हैं और पूजन-अर्चन भी करती हैं। इसके बाद भी राजा घाट बदहाली के आंसू बहा रहा है।

मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित मन्दाकिनी किनारे राजा घाट का कोई पुरसाहाल नहीं है। यहां पर प्रतिदिन तमाम महिलायें स्नान कर पूजन-अर्चन करती हैं। महिलाओं की सुविधा को घाट में कोई व्यवस्था नहीं है। नगर पालिका प्रशासन भी कोई व्यवस्था नहीं करा रहा है। इस घाट पर गौशाला का गोबर दिनभर बहता रहता है। गोबर की गन्दगी में महिलायें स्नान न पूजन करती हैं।

राजा घाट की बदहाली दूर करने को कोई आगे नहीं आ रहा है। वार्ड मेम्बर सुशील श्रीवास्तव ने राजा घाट की बदहाली की समस्या उठाई है। उन्होंने मांग किया है कि नगर पालिका कर्वी राजा घाट में महिलाओं के स्नान व पूजन की बेहतर व्यवस्था करें।

इसी क्रम में पुरानी बाजार के तुलसी पार्क की दशा भी खासी बदहाल है। नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी इस पार्क पर दस रुपये भी खर्च नहीं कर रहे। इस पार्क में पुरानी बाजार के सम्मानित लोग प्रतिदिन सवेरे-शाम घूमने आते हैं। पार्क की बदहाली देखकर सभी लोग नगर पालिका प्रशासन को कोसते हैं।

एक मार्च को आयुक्त करेंगे जनसुनवाई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। वरिष्ठ कोषाधिकारी शैलेश कुमार ने बताया कि आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल आरपी सिंह की अध्यक्षता में एक मार्च को पूर्वाहन 11 बजे आयुक्त कार्यालय बांदा में मण्डलीय पेंशन अदालत एवं सेवा निवृत्त अध्यापकों-कर्मचारियों के लम्बित देय की बाबत जनसुनवाई होगी।

मंगलवार को वरिष्ठ कोषाधिकारी शैलेश कुमार ने बताया कि पेंशन अदालत से सम्बन्धित वाद पत्र/प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप पर तीन प्रतियों में तथा जनसुनवाई से सम्बन्धित शिकायती पत्र दो प्रतियों में कार्यालय अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन चित्रकूटधाम मंडल बांदा में पंजीकृत डाक से अथवा व्यक्तिगत रूप से 23 फरवरी को शाम चार बजे तक दे सकते हैं। पेंशन अदालत से सम्बन्धित वाद पत्र तथा जनसुनवाई से सम्बन्धित शिकायती पत्र की एक प्रति कर्मचारी अपने मूल कार्यालय में प्राप्त करायेंगे।

नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

अयोध्या। रामलला के भव्य मन्दिर निर्माण होने के साथ ही रामनगरी में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके मद्देनजर श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं को प्रदान करने का उत्तरदायित्व बढ़ गया है। इसीलिए नगर निगम अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करा रहा है। मठ-मंदिरों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उक्त बातें नगर आयुक्त विशाल सिंह ने सोमवार को रामनगरी की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के दौरान कहीं। उन्होंने मठ-मन्दिरों व घाटों पर उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था बनाये रखने के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को जन सुविधाओं में विशेष सफाई व्यवस्था व प्रमुख मार्गों पर ससमय कूड़ा उठान कराये जाने व पर्यवेक्षणीय अधिकारियों को नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं के साथ उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था के लिए पूर्ण रूपेण प्रतिबद्ध है।उन्होंने बताया कि सफाई व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए आधुनिक उपकरणों के माध्यम से घाटों एवं मठ-मन्दिरों के आस- पास सफाई का कार्य नियमित रूप से कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सहायक नगर आयुक्त विपिन द्विवेदी, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक कमल कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रशासनिक महासचिव बने निर्मल खत्री

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्यों की सूची जारी की गई। जिसमें पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रशासनिक महासचिव दिनेश सिंह तथा जयकरण वर्मा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का सदस्य निर्वाचित हुए। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने बताया की उपरोक्त सदस्यों के अलावा दयानंद शुक्ला को एआईसीसी नामित किया गया।

मांगो को लेकर दिव्यांगो ने किया प्रदर्शन

अयोध्या। सिविल लाइन स्थित तिकोनिया पार्क में कांग्रेस के निशक्तजन प्रकोष्ठ के कार्यकताओं ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।जिलाध्यक्ष राजकुमार राजभर के नेतृत्व में 2 दर्जन से अधिक दिव्यांग कार्यकताओं ने नारेबाजी की और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार सदर इंदुभूषण को सौंपा। इनकी प्रमुख मांग दिव्यांग जन व्यक्तियों को मुख्यमंत्री आवास और शौचालय दिया जाय, विकासभवन में दिव्यांग जनों के साथ धाँधली न हो। जय भोले सेवा समिति के जिलाध्यक्ष श्री निवास कुशवाहा ने बताया कि सभी विभागों में दिव्यांगों को परेशान और प्रताड़ित किया जा रहा है। विकास भवन के अधिकारी प्रत्येक कार्य के लिए कई बार चक्कर लगवाते है। दिव्यांग जन कल्याण कार्यालय में धांधली होती है अधिकतर दिव्यांग पेंसन ऑनलाइन आवेदन रिजेक्ट कर दिया जाता है।दिव्यांगों को दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने में बड़ी मसक्कत करनी पड़ती है कई बार कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है डॉक्टर और कर्मचारी परेशान करते है।

जल्द हर घर नल के तहत पहुंचाये पानी: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जल जीवन मिशन के तहत रैपुरा ग्राम समूह पेयजल परियोजना के इंटेकवेल, ओवरहेड टैंक, पंप हाउस, पावर हाउस, फिल्टर हाउस, एमसीडब्ल्यूआर, डब्ल्यूटीपी आदि निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट अगरहुंडा में कार्यदाई संस्था एलएनटी एवं जीवीपीआर के अधिकारियों के साथ बैठक कर जल जीवन मिशन के तहत चांदी बांगर ग्राम समूह पेयजल योजना एवं सिलौटा ग्राम समूह पेयजल योजना तथा रैपुरा पाइप पेयजल योजना की विस्तृत समीक्षा की।

सोमवार को जिलाधिकारी को कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों ने बताया कि पंप का संचालन सिलौटा एवं रैपुरा पेयजल योजना में करके वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पानी पहुंचाया गया है। टेस्टिंग का कार्य चल रहा है। जिलाधिकारी ने रैपुरा पाइप पेयजल योजना पर कहा कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य जल्द पूरा करें। पावर कनेक्शन के लिए ट्रांसफार्मर लगाया जाए। पंप स्टाल करके वाटर ट्रीटमेंट तक पानी पहुंचाया जाए। बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य जो अधूरा है, उसे पूर्ण कराएं। उन्होंने दोनों कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा के अंदर पूर्ण कराएं, ताकि गांव में हर घर नल योजना से पानी पहुंचाया जा सके। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे सुनंदू सुधाकरण, अधिशासी अभियंता जल निगम सुमित कुमार, एलएनटी के प्रोविंस कटियार, अमन जैन, जीबी पीवीआर के विकास पांडेय, अंकित श्रीवास्तव साहित्य दोनों कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

ऊंची पहाडी पर बने स्वास्थ्य केन्द्र जाने में मरीजों को हो रही परेशानी

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। जिले के मानिकपुर ब्लाक के चर गांव में प्रशासन के अदूरदर्शिता से ऊंची पहाडी पर स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य केन्द्र बना दिया है। इससे मरीजों को आने-जाने में भारी समस्याओं का सामना करना पडता है।

स्वास्थ्य विभाग की अदूरदर्शिता का ये मामला मंगलवार को प्रकाश में आया। बताया कि मानिकपुर तहसील क्षेत्र के चर गांव में ऊंची पहाडी पर आयुष्मान भारत स्वास्थ्य केन्द्र बना है। स्वास्थ्य केन्द्र तक आने-जाने का कोई रास्ता न होने से मरीजों को भारी परेशानी हो रही है। गांव के लोगों ने कई बार अधिकारियों से शिकायत भी की है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने बताया कि पीडित जान जोखिम में डालकर ऊंची पहाडी पर स्थित स्वास्थ्य केन्द्र जाने को मजबूर हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि स्वास्थ्य केन्द्र इतना ऊपर बना दिया है कि बुजुर्ग व मरीजों को ले जाने में दो-तीन लोगों की मदद लेनी पड रही है। अधिकारियों से ग्रामीणों ने मांग की है कि स्वास्थ्य केन्द्र तक आने-जाने का मार्ग जल्द बनाया जाये।

पुलिस टीमों ने जांची बैंकों की सुरक्षा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर थानाध्यक्षों ने पुलिस टीम के साथ जिले के बैंकों व एटीएम की जांचकर संदिग्धों को फटकार लगाकर भगाया।

मंगलवार को पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर जिले के विभिन्न थानों के थानाध्यक्षों की अगुवाई में बैंक व एटीएम की जांच की गई। जांच दौरान सुरक्षा रजिस्टर देखा। ड्यूटी में लगे होमगार्ड व पुलिस कर्मियों को सुरक्षा बाबत आवश्यक निर्देश दिये गये। सतर्कता से ड्यूटी करने के निर्देश दिये।

थानाध्यक्षों ने बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी चेक किया। कैमरे काम न करने पर तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिये। शाखा प्रबंधकों से सुरक्षा बाबत चर्चा की। परिसर में संदिग्धों को फटकारकर भगाया। अनावश्यक रुप से बैंकों में बैठे लोगों को परिस से बाहर किया।

दो कार की टक्कर में एक गम्भीर रूप से घायल, अन्य मामूली रूप से चोटिल

मिजार्मुराद। क्षेत्र के रखौना रिंग रोड पर सोमवार की दोपहर हरहुआ की तरफ जा रही होंडा अमेज कार में पीछे से गाजीपुर सादात निवासी अनिरुद्ध राय अपने टियागो कार से पीछे से जा भिड़े जिसमें अनिरुद्ध गम्भीर रूप से घायल हो गए।ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे खजुरी चौकी प्रभारी रविकांत चौहान ने बताया की गम्भीर रूप से घायल युवक को 108 एम्बुलेंस से ट्रामा सेंटर भेजवाया।वही होंडा अमेज कार में सवार लोग मामलू रूप से चोटिल हो गए थे जिनका प्राथमिक उपचार करवाया गया।

दो बच्चों का पिता युवती को लेकर फरार, मामला दर्ज

मिल्कीपुर-अयोध्या। थाना कुमारगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी दो बच्चों के पिता पर एक युवती को भगा ले जाने का युवती के पिता ने आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के एक गांव से 18 वर्षीय युवती के पिता ने पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि गांव के ही एक युवक ने बीते 13 फरवरी को मेरी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज तो भले ही कर लिया है। लेकिन अभी तक युवती की बरामदगी नहीं कर सकी। मजे की बात तो यह है कि जो युवक युवती को लेकर जो भगा है, वह दो बच्चो का पिता भी हैं। युवती के पिता ने बताया कि मार्च में बेटी की बारात आनी है उससे पहले गांव का युवक उसको लेकर भाग गया है अब मैं ऐसे में क्या करूं, यदि थाने पर जाता हूं तो पुलिस सिर्फ बरामद करने का आश्वासन तो देती है ,लेकिन 1 सप्ताह बीतने को है, अभी तक गिरफ्तार नहीं कर सकी। थाना कुमारगंज के उपनिरीक्षक अर्जुन यादव ने बताया कि युवक का सीडीआर मंगवाया जा रहा है जल्द ही युवती की बरामदगी कर ली जाएगी।

चिकित्सक के निधन पर जताया शोक

अयोध्या। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ब्रांच कमेटी हैदरगंज कार्यालय प्रभारी डॉ राम हिरंजन वर्मा के इकलौते पुत्र 40 वर्षीय डॉ विजय कुमार वर्मा के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया। जिनका अंतिम संस्कार दिलासीगंज घाट पर किया गया। डॉ विजय कुमार वर्मा सरल स्वभाव के थे और अम्बेडकर नगर जनपद के भीटी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। अंत्येष्टि स्थल पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला मंत्री अशोक कुमार तिवारी, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राम तीर्थ पाठक, अवध राम यादव, अयोध्या प्रसाद तिवारी, रामजी राम यादव दीपक वर्मा, दीप नारायण विश्वकर्मा, विनोद कुमार वर्मा, गिरिजेश सिंह, अशोक सिंह, प्रकाश वर्मा, मुकेश अग्रहरि, जंग बहादुर वर्मा सहित तमाम गणमान्य लोग शामिल रहे।

भाजपा सरकार से समाज का हर वर्ग त्रस्त : अरविंद सिंह गोप

रूदौली-अयोध्या। सपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप सोमवार को रूदौली पहुंचे जहां पार्टी नेता एहसान मोहम्मद अली चौधरी उर्फ शहरयार की ओर से उनका स्वागत किया गया। रुदौली के बेगम बाग में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने कहा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो विश्वास मुझ पर किया है उस पर खरा उतरूँगा। उन्होंने कहा की आने वाला समय समाजवादी पार्टी का है। कार्यकर्ता अपना मनोबल बढ़ाए रखें। उन्होंने कहा कि समाज का प्रत्येक वर्ग भाजपा सरकार से त्रस्त है। महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। जनता समाजवादी पार्टी की ओर आशा से देख रही है। चौधरी शहरयार ने कहा की पूर्व मंत्री को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर कार्यकर्ता भी उत्साहित हैं। पूर्व विधायक राम गोपाल रावत व जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने भी स्वागत किया। संचालन जिला सचिव राम दास यादव ने किया।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बलराम यादव, नगर अध्यक्ष आमिर खां, रजित राम रावत, सत्ती यादव, इसार हुसैन खां, अमानत अली, शाहिद हुसैन आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजनौर में लापता हुए ब्रिटिश नागरिक का नहीं मिला सुराग

बिजनौर, बिजनौर में चार दिन पहले गायब हुए ब्रिटिश नागरिक का अभी तक सुराग नहीं लग पाया। पुलिस की कई टीमें लगातार तलाश में जुटी हुई है। मोबाइल से लोकेशन भी ट्रेस की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। थाना नूरपुर थाना क्षेत्र में 4 दिन पहले गुरुवार को ऋषिकेश से लखनऊ जा रहे ब्रिटिश नागरिक श्याम इंडरिच बटुक कस्बे के एक रेस्टोरेंट में खाना खाने के लिए कार से उतरे थे। इसके बाद अचानक से लापता हो गए। ऋषिकेश निवासी कार चालक राजीव शर्मा ने पुलिस को सूचना दी कि ब्रिटिश नागरिक लापता हो गया है। ड्राइवर राजेश शर्मा की सूचना पर पुलिस हरकत में आ गई।

चीन को जवाब देने के लिए भारत-अमेरिका संबंध जरूरी : शूमर

वाशिंगटन। अमेरिका के वरिष्ठ सांसद चक शूमर ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच मजबूत संबंध लोकतंत्र, प्रौद्योगिकी में प्रगति और मजबूत विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि चीन की तानाशाही का जवाब देने के लिए भी यह संबंध बहुत जरूरी है। सांसद शूमर ने कहा भारत दुनिया की अग्रणी शक्ति है। सीनेट में बहुमत के नेता शूमर इन दिनों भारत पहुंचे सांसदों के उच्चाधिकार प्राप्त संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। शूमर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। शूमर के कार्यालय ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ घंटे भर चली बैठक के बाद यहां बयान जारी किया। इसमें शूमर ने कहा अमेरिका को एशिया और दुनिया भर में लोकतंत्र की मजबूती के लिए भारत जैसे देशों की जरूरत है।

भारतीय मूल की अशफां खान को संरा ने पोषण अभियान का संयोजक नियुक्त किया

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारतीय मूल की अफशां खान को पोषण अभियान 'स्केलिंग अप न्यूट्रिशन मूवमेंट' का संयोजक नियुक्त किया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा 'स्केलिंग अप न्यूट्रिशन मूवमेंट' 2030 तक कुपोषण के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए 65 देशों और चार भारतीय राज्यों के नेतृत्व वाली बड़ी पहल है। अफशां खान नीदरलैंड की गेर्डा वेरबर्ग की जगह लेंगी। दुजारिक ने कहा कि भारत में जन्मीं खान 'स्केलिंग अप न्यूट्रिशन मूवमेंट' सचिवालय का नेतृत्व करेंगी। खान कनाडा और ब्रिटेन की दोहरी नागरिकता रखती हैं।

खान ने मैकगिल विश्वविद्यालय से लोक नीति में स्नातकोत्तर डिग्री और राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल की है। अशफां खान ने 1989 में मोजाम्बिक में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के लिए काम शुरू किया था और फिलहाल वह पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया की क्षेत्रीय निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

नेपाल में अहम की लड़ाई, 'राष्ट्रपति पद' ने नींद उड़ाई

काठमांडू। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच छिड़ी अहम की लड़ाई में 'राष्ट्रपति पद' पर उम्मीदवार का चयन करना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। सत्ताधारी गठबंधन टूटके करीब है। प्रधानमंत्री और सीपीएन (एमसी) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने साफ कर दिया है कि सीपीएन यूएमएल को किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रपति पद नहीं दिया जाएगा। यह साफ होते ही यूएमएल अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने नई रणनीति अपनाई है। ओली ने सोमवार शाम सीपीएन (एकीकृत समाजवादी) के अध्यक्ष माधव कुमार को राष्ट्रपति पद का प्रस्ताव दिया। उन्होंने दोनों दलों की एकता की शर्त के साथ यह प्रस्ताव रखा है।पूर्व प्रधानमंत्री ने यूएमएल से अलग होकर एकीकृत समाजवादी का गठन किया है। यह पार्टी नेपाली कांग्रेस के साथ विपक्षी गठबंधन में है। यूएमएल के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने कहा कि बैठक में एक साथ रहने पर चर्चा हुई है। माधव नेपाल के करीबी एकीकृत समाजवादी के नेता सोम प्रसाद पांडेय ने बताया कि ओली से मुलाकात के बाद आगे की बातचीत चल रही है। प्रचंड ने इस पद के लिए नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन करने का वादा किया है। नेपाली कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने इसकी पुष्टि की है। सीपीएन (एमसी)के के प्रवक्ता कृष्ण बहादुर महरा ने कहा कि प्रचंड को यह तय करने का अधिकार दिया गया है कि किस उम्मीदवार का समर्थन करना है।

कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेता रामचंद्र पौडेल को उम्मीदवार बनाने की तैयारी की है। पार्टी के सभापति शेर बहादुर देउबा को भी उम्मीदवार बनाया जा सकता है। एक पक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण प्रसाद सिटौला के लिए लॉबिंग कर रहा है। वैसे मौजूदा घटनाक्रम से यह संकेत मिल रहे हैं कि भविष्य में नेपाल का शक्ति संतुलन बिगड़ने वाला है। नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव 9 मार्च को होना है। 25 फरवरी को नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी।

पूर्वी यूक्रेन के कई शहरों में हवाई हमले की चेतावनी

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन सरकार ने (मंगलवार) पूर्वी यूक्रेन के कई शहरों में हवाई हमले की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय के ऑनलाइन हवाई हमले के अलर्ट मानचित्र के आधार पर जारी की गई है।

यूक्रेन के डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक यह चेतावनी चेर्निहाइव, सुमी, पोल्टावा, चेर्कासी, निप्रॉपेट्रोस, किरोवोह्रद और खार्किव के साथ रूस के जापोरिज्जिया, खेरसान क्षेत्रों और दोनेत्सक पीपुल्स रिपब्लिक के कीव नियंत्रित हिस्सों में जारी की गई है।

चीन बोला- कीव जाकर बाइडेन ने आग में घी डाला

यूक्रेनी लोगों ने कहा- भरोसा जीता; रूसी एक्सपर्ट बोले- उकसाने के अलावा कुछ नहीं आता

कीव/मास्को। रूस-यूक्रेन जंग का एक साल पूरा होने के ठीक 4 दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन अचानक कीव पहुंच गए । बाइडेन ने कीव पहुंच कर रूस को कड़ा मैसेज दिया। उन्होंने कहा, मैं आज राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलने कीव आया हूं, ये बताने की हम उनके साथ हैं।

बाइडेन के दौरे पर अब पूरी दुनिया से रिएक्शन आ रहे हैं। चीन के विदेश मंत्री किन गैंग ने कहा- कुछ देश आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। इस तुरंत बंद किया जाना चाहिए। इससे जंग खतरनाक और कंट्रोल से बाहर होती जा रही है। रूस के पूर्व सैन्य अधिकारी ने बाइडेन को दादा जी कहा

रूस ने अभी तक आधिकारिक तौर पर बाइडेन के कीव दौरे पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि इससे वहां के मिलिट्री एक्सर्टस और मीडिया में काफी हलचल मची हुई है। ष्टहह्र की रिपोर्ट के मुताबिक रूस के जानेमाने पत्रकार सर्गेई मरदन ने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, बाइडेन का कीव में होना रूस के लिए शर्मनाक है। बहादूरी की बातें केवल बच्चों के लिए छोड़ देनी चाहिए।

वहीं रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस के पूर्व अधिकारी इगोर गिरकिन ने बाइडेन को दादा जी कहा। उन्होंने कहा कि इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि वो जंग के मैदान में आकर भी वापस सही सलामत लौट सकते थे। उन्हें उकसाने के अलावा कुछ आता भी नहीं है।

एक टेलीग्राम चैनल जिसे रूस की सेना के अफसर मैनेज करते हैं उसमें एक अधिकारी ने लिखा कि पुतिन से पहले अमेरिका नहीं बल्कि रूस के राष्ट्रपति को देखना चाहते हैं।

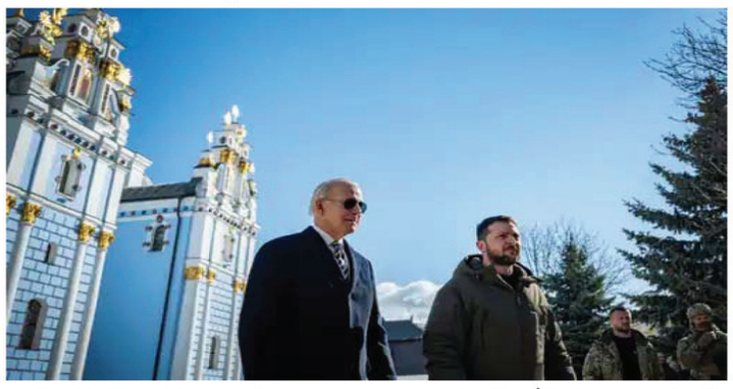

बाइडेन ही कीव पहुंच गए। जंग का एक साल पूरा होने वाला है हम कीव में **बाइडेन के दौरे से खुश यूक्रेन के लोग**

कीव में रहने वाली इन्ना रोमानिउक ने रॉयटर्स को बताया कि बाइडेन की विजिट बेहतरीन है। आखिरकार हमारे पार्टनर ये साबित करने लगे हैं कि वो हमारे साथ हैं। मुझे पहले अमेरिका पर शक था पर उन्होंने अपनी दोस्ती को साबित कर दिया। वहीं कीव में ही रहने वाले यूरी का मानना है कि बाइडेन को जल्द ही ऐलान कर देना चाहिए की वो हमें स्न-16 जेट देने वाले हैं। वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन आज देश के लोगों को संबोधित करेंगे। आशंकी जताई जा रही है कि इस संबोधन में वो बाइडेन के यूक्रेन दौरे का जिक्र करेंगे। पुतिन पहले भी अमेरिका और पश्चिमी देशों पर यूक्रेन को भड़काने और जंग का लंबा खींचने के लिए हथियार देने के आरोप लगा चुके हैं।

नॉर्थ कोरिया के न्यूक्लियर टेस्ट के बाद रेडिएशन का खतरा-पानी में घुला रेडियोएक्टिव मटेरियल, जापान-चीन, साउथ कोरिया तक असर

सियोल। नॉर्थ कोरिया लगातार न्यूक्लियर टेस्ट कर रहा है। इसकी वजह से न सिर्फ वहां के लोगों बल्कि साउथ कोरिया, जापान और चीन में रह रहे लोगों की जान को भी खतरा हो सकता है। दरअसल, अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट साइट से निकल रहे रेडियोएक्टिव मटेरियल पानी में मिलकर इन देशों में पहुंच रहे हैं। सियोल के एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप के मुताबिक, ये रेडियोएक्टिव मटेरियल साइट के आसपास 3 देशों और 8 शहरों में पहुंच चुके हैं। नॉर्थ कोरिया में न्यूक्लियर साइट के पास रह रहे करीब 10 लाख से ज्यादा लोग अपनी दिनचर्या के लिए जमीन से आने वाले पानी पर निर्भर हैं। इसके अलावा, नॉर्थ कोरिया से तस्करी के जरिए आने वाले खेती और मछली पालन से जुड़े उत्पादों में भी रेडियोएक्टिव मटेरियल होने की आशंका है।

2015 में खाने में 9 गुना ज्यादा था रेडियोएक्टिव सीजियम

अमेरिका और साउथ कोरिया के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया ने

2006 से 2017 के बीच पुंग्यी-री साइट पर करीब 6 टेस्ट किए हैं। ये साइट नॉर्थ हैमग्योंग प्रांत में जमीन के नीचे बनी है। 2015 में साउथ कोरिया की फूड सेफ्टी एजेंसी ने चीन से इम्पोर्ट किए गए मशरूम में स्टैंडर्ड लेवल से 9 गुना ज्याद रेडियोएक्टिव सीजियम पाया था। ये मशरूम नॉर्थ कोरिया से चीन पहुंचे थे।

नॉर्थ कोरिया ने रेडिएशन के डर को खारिज किया

वहीं, चीन और जापान ने भी नॉर्थ कोरिया के बढ़ते न्यूक्लियर टेस्ट को देखते हुए रेडिएशन पर नजर बनाए रखने के आदेश दिए हैं। उन्होंने खाने-पीने के सामानों में रेडियोएक्टिव मटेरियल पहुंचने को लेकर भी चिंता जताई है। हालांकि, नॉर्थ कोरिया ने पीने के पानी में इन मटेरियल के पहुंचने से जुड़ी रिपोर्ट्स को खारिज किया है। उसके मुताबिक, किसी भी न्यूक्लियर टेस्ट के दौरान कोई लीकेज नहीं हुआ था जिससे लोगों की जान को खतरा नहीं है।

2006 से अब तक इलाका छोड़ चुके हैं 880 लोग

2018 में जब न्यूक्लियर टेस्ट साइट पर कुछ टनल्स के डिस्ट्रक्शन को देखने के लिए विदेशी पत्रकार नॉर्थ कोरिया पहुंचे थे, तो वहां उनके रेडिएशन डिटेक्टर्स को जब्त कर लिया गया था। इसके बाद वहां डिफेक्टर्स (रेडिएशन लीकेज से जुड़ी जांच करने वाला उपकरण) को भी रोक दिया गया। 2017-18 में पुंग्यी-री साइट के पास लगे 40 डिफेक्टर्स में से 9 में खामियां पाई गई थीं। बढ़ती न्यूक्लियर टेस्टिंग के बीच 2006 के बाद से साइट के आसपास रह रहे 880 लोग अपने घर छोड़कर जा चुके हैं।

हिजबुल मुजाहिद्दीन का टॉप कमांडर बशीर अहमद मारा गया:2 हमलावरों ने गोली मारकर हत्या की

रावलपिंडी। पाकिस्तान के रावलपिंडी में हिजबुल मुजाहिद्दीन का टॉप कमांडर बशीर अहमद पीर मारा गया। हमलावर ने रावलपिंडी में एक दुकान के बाहर पीर को गोली मारी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पिछले साल 4 अक्टूबर को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते उसे आतंकवादी घोषित कर दिया गया था। पीर हिजबुल मुजाहिद्दीन, लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व-आतंकवादियों को एकजुट करने के लिए कई ऑनलाइन एक्टीविटीज में शामिल था। बशीर अपने घर के पास मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। मस्जिद से बाहर निकलने के बाद वह एक दुकान के पास खड़ा हो गया। इसी दौरान दो हमलावर बाइक से आए और गोली मारकर बशीर की हत्या कर दी। बशीर अहमद को इम्तियाज आलम के नाम से भी जाना जाता था। जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने में इसका हाथ था। वह हाजी, पीर और इम्तियाज के कोड नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था। बशीर पिछले कुछ सालों से रावलपिंडी में रह रहा था। पाकिस्तान सरकार ने उसे अपने देश की नागरिकता दे दी थी। बशीर को ISI ने जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ कराने का जिम्मा सौंप रखा था। वह जम्मू-कश्मीर में हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के पूर्व आतंकियों को फिर से एक्टिव करने में जुटा था। वह इंटरेनट के जरिए कश्मीर के खिलाफ लगातार लोगों को भड़का रहा था।

तुर्किये-सीरिया में फिर भूकंप-5 मौतें:कई मलबे में दबे; पहले भूकंप में कमजोर पड़ चुकी इमारतों को ज्यादा नुकसान

हताय प्रांत। तुर्किये और सीरिया में 14 दिन बाद एक बार फिर से देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.4 रही। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 294 घायल हो गए।

इसका केंद्र हताय प्रांत का अंताक्या शहर है। भूकंप की गहराई 2 किलोमीटर तक रही। इसके बाद आए आफ्टर शॉक्स की तीव्रता 3.4 से 5.8 रही। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि कई ऐसी इमारतें गिर गई हैं, जो 6 फरवरी को आए तीन भूकंप से कमजोर पड़ गई थीं। कई लोग मलबे में फंसे हैं। बताया जा रहा है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

68 घंटे में 11 भूकंप आए

तुर्किये-सीरिया बॉर्डर वाले

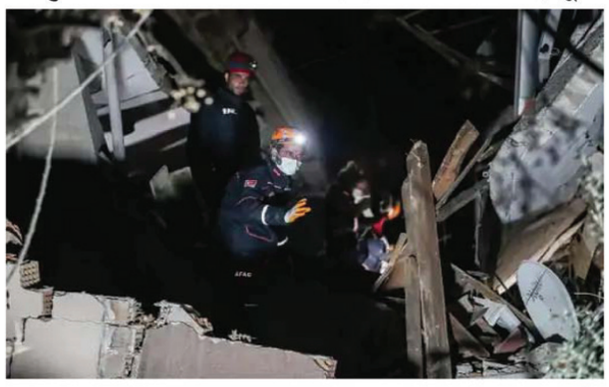

इलाके में 68 घंटे में 11 भूकंप आए हैं। तुर्किये की अनादोलु समाचार एजेंसी के सरकारी सूत्रों के मुताबिक, 3 जगहों पर खोज और बचाव की कोशिश की जा रही है। सोमवार को आए भूकंप के झटके लेबनान, इजराइल और साइप्रस में भी महसूस किए गए। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक, अभी आगे और आफ्टर शॉक्स झेलने पड़ सकते हैं।

अभी भी कई लोग मलबे में दबे

अंताक्या प्रान्त के हताय शहर में कई लोग मलबे में दबे हैं, जिनकी हालत के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। वहीं, सीरिया के विरोधियों वाले इलाके में 150 लोग घायल हुए हैं। समांदाग के मेयर रेफिक इरिलमाज ने लोकल टीवी चैनल को बताया कि लोगों के लिए शेल्टर की समस्या काफी बड़ी है। मां-बाप अपने बच्चों के साथ कड़कड़ाती ठंड में रहने को मजबूर हैं। हम पुलिस वालों को हर बिल्डिंग के सामने खड़ा नहीं कर सकते हैं।

नेपाल के पशुपतिनाथ धाम में भारत और अन्य देशों से आए साधुओं की विदाई, नागा बाबा को सबसे ज्यादा दक्षिणा

काठमांडू। महाशिवरात्रि के लिए पशुपतिनाथ धाम आए भारत और अन्य देशों के संतों को विदाई दी गई। सोमवार को पशुपति क्षेत्र विकास निधि ने उन्हें उपहार दिया और रुद्राक्ष की माला पहनाई। विदाई समारोह में सर्वश्रेष्ठ नागा बाबा को सर्वाधिक दक्षिणा मिली। पशुपति विकास निधि के कार्यकारी निर्देशक घनश्याम खातीवाड़ा ने बताया कि संत को उपहार देकर विदा किया गया। इनमें सर्वश्रेष्ठ नागा बाबा ने बताया कि उन्हें सबसे अधिक नौ हजार नेपाली रुपये मिले। निधि के मुताबिक, इस साल करीब 7000 साधु पशुपतिनाथ धाम आए, जिनमें से 2000 नागा बाबा थे। गुथी संस्थान उन्हें सर्वाधिक दक्षिणा देता है।

खातीवाड़ा ने कहा कि उसका आधा हिस्सा पशुपति विकास निधि में देने की परंपरा पिछले पांच साल से चली आ रही है। संतों ने भक्तों से दक्षिणा भी प्राप्त की। इस वर्ष उनकी उत्साहवर्धक उपस्थिति रही। नेपाल में प्रचलित मान्यता है कि जब महाशिवरात्रि पर नागा बाबा वापस आते हैं तो अपने साथ एक थांडी लेकर जाते हैं। इसलिए महाशिवरात्रि पर आना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है।

पुराने मिलिट्री बेस में इकोनॉमिक जोन बनाएगा तालिबान : काबुल से शुरुआत होगी

काबुल। अफगानिस्तान की हुकूमत पर काबिज तालिबान ने सोमवार को अहम ऐलान किया। तालिबान के मुताबिक, वो अमेरिका द्वारा छोड़े गए मिलिट्री बेसेज का इस्तेमाल इकोनॉमिक जोन के तौर पर करेगा। इसका मकसद मुल्क में ट्रेड और इकोनॉमी को बढ़ावा देना है।

अमेरिकी फौज करीब 20 इस्तेमाल इकोनॉमिक जोन के तौर पर करने का ऐलान तालिबान के

कार्यवाहक प्रधानमंत्री और फाइनेंस मिनिस्टर मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने किया। बरादर ने एक बयान में कहा- हमने ये फैसला किया है कि मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पुराने मिलिट्री बेसेस को कंट्रोल में लेगी। पहले नाटो सैनिक इनका इस्तेमाल करते थे। अब हम इन्हें स्पेशन इकोनॉमिक जोन बनाने जा रहे हैं। बरादर ने कहा- इसकी शुरुआत काबुल से होगी। इसके बाद बाख राज्य में इकोनॉमिक जोन बनाया जाएगा। फिलहाल, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी जा सकती। हम इसका प्रॉपर प्लान तैयार कर चुके हैं। BBC से बातचीत में सिंगापुर स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के रिसर्चर मोहम्मद फैजल बिन अब्दुल रहमान ने कहा- यह अच्छी बात है कि तालिबान का फोकस अच्छी गवर्नेंस देने पर है। अगर वो ट्रेड के लिए तैयार हो रहे हैं, तो ये अच्छी खबर है। वो बॉर्डर एरिया में इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना चाहते हैं, चीन की इन पर जरूर नजर होगी। माना जाता है कि अफगानिस्तान की धरती पर बड़ी तादाद में नैचुरल गैस, कॉपर और कुछ दूसरे कीमती मटैरियल मौजूद हैं।

इनकी कीमत करीब 1 खरब डॉलर मानी जाती है। हालांकि, ये भी सही है करीब 50 साल तक अलग-अलग तरह की जंग में उलझे रहने की वजह से कभी इनका पता नहीं लगाया जा सका।

इमरान खान को जमानत मिली:लाहौर हाईकोर्ट पहुंचे, कोर्ट ने कहा था- पेश नहीं हुए तो पुलिस को गिरफ्तारी से नहीं रोकेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लाहौर हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। इसके पहले इमरान शाम लाहौर हाईकोर्ट पहुंचे। खान के खिलाफ कई केस अलग-अलग अदालतों में चल रहे हैं। वे इलेक्शन कमीशन के दफ्तर बाहर हिंसक प्रदर्शन करने के मामले में पेश हुए। पिछले हफ्तेलाहौर हाईकोर्ट के जज सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक खान का इंतजार करते रहे थे, लेकिन वो पेश नहीं हुए थे। इसके बाद हाईकोर्ट ने कह दिया था कि अगर वो पेश नहीं होंगे तो पुलिस को उनकी गिरफ्तारी से नहीं रोका जाएगा।

गिरफ्तारी से डर रहे हैं खान-इमरान खान गिरफ्तारी के डर से अपने लाहौर वाले घर से बाहर नहीं निकल रहे थे। उनको डर है कि अगर वो घर से निकले तो पंजाब पुलिस उन्हें अदालत पहुंचने के पहले ही गिरफ्तार कर लेगी। इमरान के करीब 500

समर्थक कई दिन से उनके जमान पार्क लाहौर वाले घर के बाहर मौजूद हैं। पुलिस की कई गाड़ियां यहां मौजूद हैं। खान के खिलाफ एक्शन लेने का दबाव भी पुलिस पर है।

खान पर कई केस

इमरान पर तोशाखाना के गिफ्ट्स को सस्ते में खरीदने और ज्यादा दामों में बेचने का भी आरोप है। इसे लेकर पाकिस?तान के चुनाव आयोग ने उन्हें 5 साल के लिए अयोग?य घोषित किया है। उनकी संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। इस फैसले के खिलाफ इमरान समर्थकों ने चुनाव आयोग के ऑफिस के बाहर हिंसक प्रदर्शन किया, जिसमें कुछ लोग घायल भी हुए थे। इस घटना के बाद खान के खिलाफ एंटी टेररिज्म एक्ट के तहत वारंट जारी हुआ था। 20 अगस्त को इस्लामाबाद में एक रैली के दौरान इमरान ने महिला जज और पुलिस अधिकारियों को खुलेआम धमकी दी थी। इसी बीच इमरान की पार्टी PTI की लीगल टीम ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में खान की गिरफ्तारी से पहले ही जमानत याचिका दायर कर दी थी।

इसी मामले में खान को एंटी-टेररिज्म कोर्ट में पेश होना था, लेकिन वे पेश नहीं हुए। जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे। इसके बाद इमरान लाहौर हाईकोर्ट गए। जहां गुरुवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा- किसी भी जमानत के लिए आरोपी का कोर्ट के सामने पेश होना जरूरी है।

बड़े निर्यात का लक्ष्य तय करे बिजली उद्योग : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बिजली उद्योग से बड़े निर्यात लक्ष्य तय करने और उस दिशा में काम करने को कहा है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। भारत का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात अच्छी दर से बढ़ रहा है। इनमें से प्रत्येक के वर्ष 2030 तक बढ़कर 1,000 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने ग्रेटर नोएडा में इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने इलेक्रमा के 15वें संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली उद्योग को बड़े निर्यात लक्ष्य तय करने और उस दिशा में काम करने की जरूरत है। इस क्षेत्र में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। गोयल ने अपने संबोधन में विद्युत उद्योग से जुड़े सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जारी करने की जरूरतों पर बल दिया।

वाणिज्य मंत्री इलेक्रमा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसका विषय 'सतत भविष्य के लिए ऊर्जा की पुनर्कल्पना' है। गोयल ने कहा कि इस क्षेत्र ने 10 अरब डॉलर का निर्यात किया है, जिसे अगले 5 साल में बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है। वहीं गोयल ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा कि भारत का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात अच्छी दर से बढ़ रहा है। इनमें से प्रत्येक के 2030 तक बढ़कर 1,000 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि देश का वस्तु और सेवा निर्यात 2021-22 में क्रमशः 422 अरब डॉलर और 254 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर था।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।